RNI NO. 50259/90
वर्ष : 37
अंक : 31
भोपाल, शनिवार
14 मार्च 2026
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रु.

मध्यप्रदेश का सबसे तेज बढ़ता सांध्य दैनिक

अमृत दर्शन

भोपाल, नर्मदापुरम एवं रायसेन से एक साथ प्रकाशित

www.amritdarshan.com
Email : amritdarshan@yahoo.com

06 डबल इंजन की सरकार में बहनों को मिल रही...

भारतीय फ्रेंचाइजी सनराइजर्स लीड्स ने... 06

जोधपुर जेल से 170 दिन बाद रिहा होंगे

सोनम वांगचुक पर लगा एनएसए हटाया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्र ने शनिवार को लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता और इंजीनियर सोनम वांगचुक पर लगा नेशनल सिक्युरिटी एक्ट (एनएसए) हटा दिया। यह आदेश तुरंत प्रभाव से समाप्त कर दिया जाएगा। गृह मंत्रालय के अनुसार, सोनम ने एनएसए एक्ट के तहत अपनी हिरासत की अवधि का लगभग आधा हिस्सा पूरा कर लिया है।लद्दाख प्रशासन ने 24 सितंबर 2025 को लेह हिंसा भड़काने के आरोप में 26 सितंबर को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत वांगचुक को हिरासत में लिया था।170 दिन से वे जोधपुर जेल में हैं। अब उनकी रिहाई होगी। लेह हिंसा में 4 लोगों की मौत हो गई थी।150 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। सोनम वांगचुक को 26 सितंबर 2025 को एनएसए के तहत हिरासत में लिया गया था। वह लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे थे। आंदोलन के दौरान हुए हिंसक प्रदर्शनों के दो दिन बाद उनकी गिरफ्तारी की गई थी। इन प्रदर्शनों में 4 लोगों की मौत हुई थी।

लेह हिंसा के बाद हिरासत में लिए गए थे

उड़ता तीर

ईरान ने अमेरिका-इजरायल युद्ध के बीच भारतीय झंडे वाले जहाजों को दिया रास्ता

शिवालिक के बाद नंदा देवी होर्मुज स्ट्रेट से निकला भारत का दूसरा एलपीजी से लदा जहाज

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अमेरिका-इजरायल युद्ध के बीच ईरान ने भारतीय झंडे वाले टैंकरों को होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित रास्ता दिया है। भारतीय झंडे वाले एलपीजी टैंकर शिवालिक ने सफलतापूर्वक इस स्ट्रेट को पार कर लिया है और अब दूसरा एलपीजी जहाज नंदा देवी भी इस अहम तेल मार्ग से सुरक्षित बाहर निकल गया है।

सरकारी सूत्रों ने शनिवार को बताया कि शिवालिक को भारतीय नौसेना सुरक्षा दे रही है। उम्मीद है कि यह जहाज अगले दो दिनों के भीतर किसी भारतीय बंदरगाह पर पहुंच जाएगा और इसका संभावित गंतव्य मुंबई या कांडला हो सकता है। यह जहाज अब खुले समुद्र में पहुंच चुका है और भारतीय नौसेना के मार्गदर्शन में सुरक्षित रूप से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि इस बीच नंदा देवी 46,000 मीट्रिक टन से ज्यादा लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) ले जा रही है, जो भारत की एनर्जी सप्लाई चेन के लिए बहुत जरूरी है। सूत्रों के मुताबिक, दोनों जहाजों को नेवल एसेट्स से करीब से गाइड किया जा रहा है ताकि स्ट्रेटेजिक रूप से संवेदनशील पानी से सुरक्षित ट्रांजिट पक्का किया जा सके।

पीएम मोदी-ईरानी राष्ट्रपति की बातचीत के बाद यह संभव हुआ

ईरान के राजदूत ने भारत को बताया दोस्त

इससे पहले, भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फथाली ने पुष्टि की कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच दोनों देशों के बीच पुरानी दोस्ती और साझा हितों का हवाला देते हुए तेहरान होर्मुज स्ट्रेटट से होकर भारत जाने वाले जहाजों को सुरक्षित मार्ग प्रदान करेगा। फथाली ने कहा भारत और हम दोस्त हैं। हमारे हित एक जैसे हैं; हमारी किस्मत एक जैसी है। उन्होंने दोनों देशों के बीच आपसी जिम्मेदारी पर जोर देते हुए कहा, भारत के लोगों का दुख हमारा दुख है और हमारा दुख भारत के लोगों का दुख है। और इसी वजह से भारत सरकार हमारी मदद करती है और हमें भी भारत सरकार की मदद करनी चाहिए, क्योंकि हमारा भविष्य और हमारे हित एक-जैसे हैं।

पीएम मोदी ने की थी मसूद पेजेशकियन से बात

यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के बीच सामान और एनर्जी के फ्लो को लेकर हुई हाई-लेवल बातचीत के बाद उठाया गया है। इस बीच, भारत में ईरान के एम्बेसडर मोहम्मद फतली ने शुक्रवार को इशारा किया कि मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच भारतीय जहाजों को जल्द ही होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित रास्ता मिल सकता है।

भारत सरकार ने की हमारी मदद

फतहली ने कहा कि इस क्षेत्र में भारत और ईरान के साझा हित हैं। उन्होंने कहा, हां, क्योंकि भारत हमारा दोस्त है। आप इसे दो-तीन घंटों के भीतर देख लेंगे। हमारा मानना है कि इस क्षेत्र में ईरान और भारत के हित एक जैसे हैं। उन्होंने आगे कहा, भारत में राजदूत के तौर पर मैं यह कहना चाहूंगा कि इस स्थिति में युद्ध के बाद भारत सरकार ने अलग-अलग क्षेत्रों में हमारी मदद की।

मध्यप्रदेश में होटल बंद होने के कगार पर

रायसेन में सिलेंडर लेकर किया चक्काजाम

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्य प्रदेश में पांच दिनों से प्रदेश के 50 हजार से ज्यादा होटल और रेस्टॉरेंट को कॉमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई नहीं मिल पाई है। कई होटलों में केवल 24 घंटे का स्टॉक बचा है, जिससे प्रदेश की खान-पान व्यवस्था ठप होने के कगार पर है। वैकल्पिक तौर पर लोग इंडक्शन और डीजल भट्ठियों का सहारा ले रहे हैं, लेकिन घरेलू रसोई का संकट और भी भयावह हो गया है। गैस किल्लत का सबसे उग्र रूप रायसेन में देखने को मिला। रायसेन के सागर रोड स्थित एक गैस एजेंसी पर उपभोक्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा। सुबह 5 बजे से कतार में लगे सैकड़ों लोगों को जब 10 बजे तक सिलेंडर नहीं मिला और एजेंसी नहीं खुली तो उन्होंने सड़क पर उतरकर चक्काजाम कर दिया। चक्काजाम में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल थीं। सागर रोड स्थित गैस एजेंसी पर सुबह 5 बजे से कतार में लगे सैकड़ों उपभोक्ताओं का धैर्य जवाब दे गया। जब सुबह 10 बजे तक एजेंसी नहीं खुली तो लोगों ने खाली सिलेंडर सड़क पर रखकर चक्काजाम कर दिया। भोपाल के दशहरा मैदान में सुबह 6 बजे से ही 200 से अधिक लोग कतार में लगे हैं। वहीं भोपाल के ही गांधी मेडिकल कॉलेज के रेजिडेंट डॉक्टरों का कहना है कि परिसर में 16 हॉस्टल मेस हैं। कैंटीन और मरीजों के सेंट्रलाइज्ड किचन है। कैंटीन संचालकों को कॉमर्शियल सिलेंडर नहीं मिल रहे। बुकिंग पर 25 दिन की वेटिंग दी जा रही है। मेस संचालकों के पास दो दिन का स्टॉक बचा है। यदि सप्लाई जल्द बहाल नहीं हुई तो हमें खाली पेट ड्यूटी करना पड़ेगी।

भोपाल में गैस एजेंसियों और गोदामों में सुबह से लंबी लाइनें

इधर, एलपीजी सिलेंडर के लिए मारामारी

देशभर में जमाखोरी के खिलाफ एक्शन में सरकार, हजारों सिलेंडर बरामद

मिडिल ईस्ट में जंग खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। इसका असर अब पूरी दुनिया भर में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से देखने को मिल रहा है। भारत भी इस युद्ध के असर से अछूता नहीं है। मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध के बीच अब भारत में एलपीजी का संकट गहराता जा रहा है। हालांकि भारत सरकार बार-बार लोगों से पैनिक बुकिंग से बचने की अपील कर रही है। इसके बावजूद गैस एजेंसियों और गोदामों के बाहर लोगों की लंबी कतार देखने को मिल रही है। लोग अपनी जॉब से छुट्टी लेकर सुबह से लाइन में एक सिलेंडर का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन कई को शाम होते-होते मायूसी ही हाथ लग रही है। सरकार कालाबाजारी और जमाखोरी को लेकर सख्त है, हर राज्य में पुलिस और प्रशासन एक्शन मोड में है। महंगे दामों पर सिलेंडर बेचने वालों को सलाखों के पीछे पहुंचाया जा रहा है। होटल-रेस्टरेंट्स अब इंडक्शन और कोयले के सहारे चलने पर मजबूर हो गए हैं।

मुंबई में भी जगह-जगह छापेमारी

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में भी एलपीजी की कालाबाजारी करने वालों पर एक्शन हो रहा है। मुंबई के वर्ली में प्रशासन ने रेड के दौरान घरेलू और कमर्शियल सिलेंडर जब्त किए हैं। रेड के दौरान 5 किलो के 6 भरे, और 58 खाली सिलेंडर बरामद किए गए हैं। आरोप है कि अवैध तरीके से सिलेंडर भरकर बेचने का काम चल रहा था। मुंबई में एलपीजी संकट के चलते कई बड़े रेस्टोरेंट्स बंद हो चुके हैं। कुछ संकट के बीच अब चूल्हे का सहारा ले रहे हैं।

बंद एजेंसी से जब्त किए सिलेंडर

एमपी के भोपाल में प्रशासन ने बड़ा एक्शन लिया है। यहां एक बंद पड़ी गैस एजेंसी से पुलिस और प्रशासन ने मिलकर 668 सिलेंडर बरामद किए हैं। यहां तीन ट्रक सिलेंडर मिले हैं, जो क्राइसिस के वक्त बहुत बड़ी कामयाबी है। बिना रजिस्टर में दर्ज किए गए 1574 सिलेंडर भी बरामद किए गए हैं। बताया जा रहा है कि बंद पड़ी गैस एजेंसी महंगे दामों में लोगों को एलपीजी सिलेंडर बेच रही थी।

ईरान ने किया भीषण हमला

इराक के बगदाद में अमेरिकी दूतावास पर दागी मिसाइल

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अमेरिका ने ईरान के ऑयल एक्सपोर्ट हब खर्ग आइलैंड पर बमबारी की। जवाबी हमला करते हुए ईरान ने इराक के बगदाद में अमेरिकी दूतावास पर हमला कर दिया। इराक के अधिकारियों ने हमले की पुष्टि की और बताया कि ईरान की मिसाइल दूतावास के हेलीपैड पर गिरी है। दूतावास परिसर के अंदर हेलिकॉप्टर उताने के लिए हेलीपैड बनाया गया है, जो मिसाइल अटैक से तबाह हो गया है। पूरा कैंपस भी जलकर राख हो गया है। बता दें कि अमेरिकी दूतावास इराक की राजधानी बगदाद के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले 'ग्रीन जोन' में है, जहां हमला करने की हिम्मत ईरान ने दिखाई है। हेलीपैड को निशाना बनाकर ही मिसाइल दागी गई थी। हमले के बाद दूतावास परिसर से काला धुआं निकलते देखा गया और कैंपस में हड़कंप भी मच गया। वहीं अमेरिकी दूतावास में लगे रडार सिस्टम पर ड्रोन अटैक हुआ है, जिससे रडार को नुकसान पहुंचा है, लेकिन उसे रिकवर कर लिया जाएगा। सोशल मीडिया वायरल वीडियो में अमेरिकी दूतावास से धुएं का गुबार उठता देख सकते हैं। हालांकि दूतावास में जानी नुकसान होने की आधिकारिक पुष्टि अमेरिका ने नहीं की है, लेकिन अमेरिका की मरीन कॉर्प्स के कमांडो और इराक पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी है। यह हमला तब किया गया है, जब अमेरिका ने खर्ग आइलैंड पर हमला किया और ईरान के सुप्रीम लीडर समेत 10 अधिकारियों पर आतंकवादियों की तरह इनाम की घोषणा की।

अंतर्मना उवाच

आज के इंसान को धर्म का मर्म, इतना ही समझ में आ जाये कि..वे अपनी गरीबी को किस्मत समझ ले..!

*जैन दर्शन कर्म सिद्धांत को महत्व देता है। **सुख-दुःख, पुण्य-पाप अच्छा-बुरा -- सब हमारे अपने ही कर्मो का फल है।** जैन धर्म में जातिवाद, वर्णवाद, वंशवाद, भाषावाद, या संकुचितताओं के लिए कोई जगह नहीं है। **जैन कोई जाति नहीं बल्कि 'अहिंसा परमो धर्म' का नाम है।***

*जो धारण किया जाये वो धर्म। धर्म वस्तु का स्वभाव है। जैन धर्म किसी के वैर विरोध में नहीं, ना किसी मजहब में, ना संप्रदायवाद, ना पंथवाद, ना संतवाद की सड़ांध से कोसों दूर है। जैन धर्म तो वस्तुनिष्ठ, प्राकृतिक धर्म है। **जो सभी कामनाओं, वासनाओं से रहित, जन्म मरण से मुक्त है, वीतरागी सर्वज्ञ, हितोपदेशी है... वे जिनेन्द्र भगवान कहलाते हैं।** वीतरागी भगवान ज्ञाता दृष्टा हैं लेकिन सृष्टि के कर्ता-धर्ता नहीं है।*

मंगल बिहार के दौरान तपती धूप में दोपहर की सामायिक करते अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज

*__जैन धर्म में तीर्थंकर 24 होते हैं और भगवान अनंत होते हैं।__ प्रथम तीर्थंकर **भगवान ऋषभ देव (आदिनाथ)** का जन्म करोड़ों, अरबों वर्ष पूर्व अयोध्या में हुआ था। उनके पिता नाभिराय तथा माता मरुदेवी थीं। नाभिराय जी का विवाह यशस्वी व सुनंदा के साथ सम्पन्न हुआ। **भरत बाहुबली उनके 101 पुत्र तथा ब्राह्मी और सुंदरी, यह दो पुत्रियां थी।** उन्होंने राज्य करते हुये, अपने पुत्र-पुत्रियों को भी अनेक कलाओं में पारंगत किया। **बड़ी बेटी ब्राह्मी को लिपी ज्ञान करवाया और छोटी पुत्री सुन्दरी को अंक ज्ञान कराया, जिससे शून्य व अंको का अविष्कार हुआ।** भगवान ऋषभदेव ने मानव समाज को जीवन जीने की मूल विधाएँ सिखाईं... असि, मसि, कृषि, शिल्पकला, वाणिज्य और विद्या। **अनेक महत्वपूर्ण कार्यों के कारण भगवान ऋषभ देव ही भारतीय संस्कृति में ब्रह्मा, विष्णु, महेश, विश्वकर्मा, प्रजापति, आदि अनेक रूपों में स्मरण किया जाता है।***

*इस प्रकार जैन धर्म हमें यह सिखाता है कि धर्म का सार किसी बाहरी दिखावे में नहीं, बल्कि अहिंसा, आत्मसंयम, सत्य और आत्मजागरण में निहित है। **जो व्यक्ति अपने कर्मों को समझकर आत्मशुद्धि के मार्ग पर चलता है, वही वास्तविक अर्थों में धर्म को धारण करता है...!!!***

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

विशेष संपादकीय-

वायरल होने के चक्कर में बर्बाद होते लोग

सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफार्म पर अपने लिए व्यूज, लाइक, फोलो प्राप्त करने तक ही अब लोगों की जिंदगी सीमित होती जा रही है। वायरल होने के बच्चे बूढ़े महिलाएं सब पागल हो रहे हैं। यह बीमारी इस क़दर लोगों की मानसिकता पर अपना प्रभाव जमा चुकी है कि अब सोचने समझने की क्षमता भी प्रभावित हो रही है। हम आये दिन सुनते पढ़ते और देखते भी रहते हैं कि मां बाप द्वारा मोबाइल फोन न चलाने की हिदायत या रोक-टोक से नाराज़ बच्चे ने सुसाइड कर लिया, या फिर पत्नी को रील बनाने पर टोकने से पति का कत्ल तक कर दिया गया। दरअसल यह बीमारी लोगों के मन में बैठे स्वयं को अति विशिष्ट बनाने के भाव से प्रेरित है। लोग कुछ भी करके दूसरो का ध्यान अपनी तरफ खींचना चाहते हैं ताकि उन्हें भी पहचाना जाए। लोग उन्हें नोटिस करें। रील का कंटेंट कुछ भी हो, उसका प्रभाव किसी भी तरह से समाज पर पड़े ,लेकिन इन सब बातों से रीलबाजों को कोई मतलब नहीं है ।उनका एक ही उद्देश्य है, कि लोग उन्हें नोटिस करें, उन्हें देखें उनके लाइक भी बढ़े ,उनके फॉलोअर बढ़े । इन सब के बढ़ने से एक लाभ यह भी है ,कि रीलबाजों की सोशल मीडिया आईडी मोनेटाइज हो जाती है, जिससे उन्हें कुछ पैसा मिलना भी शुरू हो जाता है। लेकिन यह पैसे की इच्छा वाली बात सभी के साथ नहीं होती है। अधिकांश लोगों का मुख्य उद्देश्य होता है ,अपने आप को विशेष बनाना ।जो दबी इच्छा है उनके भीतर हमेशा से बनी रहती है। लेकिन सबसे बड़ी बात यह है कि इस वायरल होने की बीमारी के कारण सबसे बड़ा नुकसान समाज का हो रहा है। परिवार टूट रहे हैं, लोग सेलफिश हो रहे हैं सबकुछ सोशल मीडिया तक सीमित हो गया है। गहरे संबंध और रिश्ते टूट रहे हैं बिखर रहे हैं। घर परिवार की मर्यादा खत्म हो रही है। क्या बेडरूम ,क्या किचन, पूजाघर या घर का सबसे पवित्र कमरा सब कुछ अब सोशल मीडिया पर डाला जा रहा है। मर्यादाओं के टूटने से समाज में अराजकता बढ़ जाती है, अश्लीलता बढ़ जाती है, अपराध बढते हैं। और सबसे बड़ी बात यह है कि लोग नैतिक जिम्मेदारी भूलकर निरंकुश हो जाते हैं तथा सरकार और समाज दोनों के लिए यह स्थिति खतरनाक हो सकती है इसलिए समय रहते किसी भी तरीके से वायरल होने की बीमारी का ईलाज होना अनिवार्य है।

प्रेस क्लब में 40 से अधिक महिलाओं को 'नारी शक्ति सम्मान', सुमित्रा महाजन बोलीं- जिम्मेदारी बढ़ी

इंदौर ■ निसं

नारी शक्ति सम्मान समारोह में महिलाओं को सम्मानित किया गया। पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने महिलाओं की बढ़ती जिम्मेदारियों पर प्रकाश डाला। उनका कहना था कि घर के साथ-साथ अब राष्ट्र निर्माण में भी महिलाओं की अपेक्षाएं बढ़ गई है।

इंदौर प्रेस क्लब ने गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को नारी शक्ति सम्मान से सम्मानित किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने कहा कि आज के समय में महिलाओं की जिम्मेदारियां पहले से कहीं अधिक बढ़ गई हैं। परिवार को संभालने के साथ-साथ उन्हें अपने कार्यक्षेत्र में भी बेहतर प्रदर्शन करना पड़ता है। बहुआयामी प्रतिभा ही महिला की असली ताकत है।

कार्यक्रम में विधायक उषा ठाकुर ने कहा कि घर की जिम्मेदारियां निभाने के साथ-साथ समाज को दिशा देने की महत्वपूर्ण भूमिका भी महिलाओं की है। उन्होंने कहा कि समाज की अपेक्षाएं भी महिलाओं से लगातार बढ़ रही हैं। चुनावों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलने से राजनीति में भी उनकी भागीदारी बढ़ेगी और 2047 के स्वर्णिम भारत के निर्माण में महिलाओं की भूमिका अहम होगी।

एसपी यांगचुंग भूटिया ने कहा कि आज देश में महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में अपनी क्षमताओं और जिम्मेदारियों के साथ आगे बढ़ रही हैं। सेना से लेकर कला और प्रशासन तक हर क्षेत्र में महिलाओं ने खुद को साबित किया है। वहीं पोस्ट मास्टर जनरल प्रीति अग्रवाल ने कहा कि आज ऐसा कोई क्षेत्र नहीं बचा है जहां महिलाओं की भागीदारी न हो। भारत के सर्वोच्च पदों तक महिलाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। नारी दुर्बल नहीं, बल्कि ईश्वर की श्रेष्ठ रचना है और उसे सृजनकर्ता की भूमिका दी गई है। कार्यक्रम की शुरुआत में प्रेस क्लब अध्यक्ष दीपक कर्दम ने स्वागत उद्बोधन दिया। प्रेस क्लब की उपाध्यक्ष प्रियंका पांडे ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि महिलाओं ने पत्रकारिता के क्षेत्र में भी नए प्रतिमान स्थापित किए हैं।

ट्रक ने युवक को 25 किलोमीटर तक घसीटा, सिर गायब

मुरैना में ड्राइवर ने बकरी, फिर युवक पर चढ़ाया, पैर टायर में फंसा; ग्रामीणों ने पकड़ा

मुरैना ■ निसं

मुरैना में शिवपुरी की ओर से आ रहे एक ट्रक ने पहले एक बकरी को कुचला, फिर चरवाहे को भी टक्कर मार दी। हादसे के बाद युवक ट्रक के नीचे फंस गया, लेकिन ड्राइवर बेपरवाही से ट्रक को दौड़ाता रहा। करीब 25 किलोमीटर तक युवक ट्रक में फंसा हुआ घिसटता रहा, जिससे उसका सिर कुचल गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही पहाड़गढ़ थाना पुलिस सक्रिय हो गई। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से ट्रक का पीछा किया और ड्राइवर को पकड़ लिया। मृतक की पहचान कर ली गई है और उसके परिजन को सूचना दे दी गई है।

युवक ने ट्रक रुकवाने की कोशिश की, कुचला गया: पहाड़गढ़ थाना क्षेत्र का रहने वाला सोनू धोबी (25) पुत्र चटई धोबी शनिवार सुबह बकरियां चराने गया था। सुबह करीब 10 बजे वह रोड के पास बकरियां चरा रहा था। इसी दौरान ट्रक (MP31 HA 1220) तेज रफ्तार से कैलारस की ओर जा रहा था।

ट्रक ने पहले सोनू की एक बकरी को कुचल दिया। इसके बाद सोनू ने ट्रक को रोकने की कोशिश की, लेकिन ट्रक चालक ने उसे भी टक्कर मार दी। इससे सोनू ट्रक के नीचे फंस गया। चलते ट्रक के नीचे फंसे रहने के कारण सोनू का सिर कुचल गया और उसकी मौत हो गई।

आसपास मौजूद ग्रामीणों ने घटना देखी तो फौरन पुलिस को सूचना दी। ग्रामीण भी अलर्ट हो गए। पहाड़गढ़ पुलिस ने ट्रक का पीछा किया और किसारोली गांव के पास ट्रक और ड्राइवर को पकड़ लिया। पहाड़गढ़ थाना प्रभारी टीआई राजेंद्र परिहार के अनुसार काफी मशक्कत के बाद ट्रक चालक को पकड़ लिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

आज ग्वालियर में साल की पहली नेशनल लोक अदालत

ग्वालियर। ग्वालियर के जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर में शनिवार (14 मार्च) को साल 2026 की पहली नेशनल लोक अदालत आयोजित की जाएगी। इस लोक अदालत में हर तरह के प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा और करीब 8 से 10 हजार मामलों को कुछ ही घंटों में निपटाने का लक्ष्य रखा गया है। अधिक से अधिक लोग अपनी समस्याओं का समाधान करा सकें, इसके लिए पिछले कई दिनों से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। लोक अदालत में बिजली, पानी, सड़क, संपत्ति कर और जलकर से जुड़े मामलों की संख्या अधिक रहने की संभावना है। इसी को ध्यान में रखते हुए नगर निगम आयुक्त संघप्रिय ने नागरिकों से अपील की है कि वे लोक अदालत में पहुंचकर अधिभार में मिलने वाली 100 प्रतिशत तक की छूट का लाभ उठाएं, क्योंकि इसके बाद ऐसा अवसर दोबारा नहीं मिलेगा।

ग्वालियर में महिला बैंक कर्मचारी से चेन लूटी

ग्वालियर। ग्वालियर में टहलने जा रही महिला बैंक कर्मचारी से बाइक सवार बदमाश झपट्टा मारकर सोने की चेन लूट ले गया। घटना विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र स्थित एमपी संस व होटल सुगरपॉम के पास शुक्रवार रात की है। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद बाइक सवार की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने सर्चिंग की, लेकिन लुटेरे का सुराग नहीं मिला है। पुलिस को कुछ स्थानों पर बदमाश के फुटेज मिले हैं। जिनके आधार पर लुटेरे की तलाश की जा रही है। पुलिस ने चेन स्नेचिंग का मामला दर्ज कर लिया है। शहर के विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र के बलवंत नगर गौरा अपार्टमेंट जी-2 निवासी 39 वर्षीय कृपा देवी पत्नी स्व. मोहन सिंह एसबीआई बैंक में होम लोन डिपार्टमेंट में पदस्थ हैं। रोजाना की तरह शुक्रवार को भी वह टहलने के लिए निकली थीं। अभी वह एमडी संस डिपार्टमेंटर स्टोर और सुगर पॉम होटल के पास पहुंची ही थीं कि सामने से आ रहे बाइक सवार ने उनके पास आकर बाइक स्लो की और झपट्टा मारकर गले से सोने की चेन छीन ले गया।

3 बार तलाक बोलकर पति ने छोड़ा, सौतन ले आया

खंडवा। खंडवा में ट्रिपल तलाक कानून से जुड़ा मामला सामने आया हैं। 31 वर्षीय महिला की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया हैं। ट्रिपल तलाक के तहत महिला के पति और सास-ससुर को आरोपी बनाया गया है। महिला ने बताया कि, शादी के बाद पति से मामूली कहासुनी हो गई थी। तब वह तीन तलाक कहकर मायके में छोड़ गया। तीन साल बाद भी मुझे लेने नहीं आया और अब दूसरा निकाह कर सौतन ले आया। मामले में थाना पदमनगर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने सिंघाड़ तलाई निवासी महिला के पति सलमान पिता शेख रफीक, सास नसरीन पति शेख रफीक व ससुर शेख रफीक पिता शेख गफुर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस ने दहेज व शारीरिक-मानसिक उत्पीड़न सहित मुस्लिम महिला (विवाह पर अधिकार का संरक्षण) अधिनियम की धाराएं लगाई हैं।

जबलपुर में टाटा सूमो में आग...जिंदा जला शख्स

मच्छर भगाने की अगरबत्ती बनी हादसे की वजह, दुकान भी खाक

जबलपुर ■ निसं

जबलपुर के सिहोरा में शनिवार, 14 मार्च की सुबह एक टाटा सूमो में आग लग गई। जिससे उसमें सो रहा व्यक्ति जिंदा जल गया। आग की लपटों से पास स्थित एक दुकान भी चपेट में आ गई।

शुरुआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि मच्छर भगाने के लिए जलाई गई अगरबत्ती से गाड़ी के अंदर पड़े कचरे में अचानक से आग भड़क लग गई, जिससे व्यक्ति बाहर नहीं निकल पाया। बताते हैं, सूमो काफी पुरानी थी। जिसमें अक्सर व्यक्ति सो जाता था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

कई साल से गाड़ी में रह रहा था: घटना सिहोरा के वार्ड नंबर-3 की है। स्थानीय लोगों के मुताबिक मृतक लावारिस था। कई सालों से इलाके में खड़ी एक पुरानी टाटा सूमो में ही रह रहा था। बताते हैं, वह मानसिक रूप से अस्वस्थ था। आसपास से कूड़ा-कचरा और पन्नियां इकट्ठा कर गाड़ी में भरकर रखता था। लोगों ने बताया कि वह अक्सर गाड़ी के पास ही खाना बनाता और रात में उसी गाड़ी में सो जाता था।

अचानक आग से शख्स गाड़ी में फंसा बताते हैं, गाड़ी के अंदर बड़ी मात्रा में पन्नियां और ज्वलनशील कचरा रखा था, जिसमें आग तेजी से फैली। जब तक व्यक्ति बाहर निकलने की कोशिश करता, तब तक आग पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले चुकी थी। शख्स अंदर ही फंस गया। दम घुटने और बुरी तरह झुलसने से उसकी मौत हो गई। आसपास के लोगों ने धुआं और आग की लपटें देखकर पुलिस और फायर ब्रिगेड को कॉल किए। साथ ही खुद भी लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया। सूचना मिलने पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। अभी मृतक की पहचान नहीं हो सकी है।

जबलपुर में 26 TI पर एक्शन: छोटे अपराधों में लापरवाही पर एसपी ने की कार्रवाई, सर्विस रिकॉर्ड में होगी दर्ज

जबलपुर। मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले में अपराध नियंत्रण और प्रतिबंधात्मक कार्रवाई में लापरवाही करने पर एसपी संपत उपाध्याय ने 26 थाना प्रभारियों को निंदा की सजा दी है। यह सजा उनके सर्विस रिकॉर्ड में दर्ज होगी, जिसका असर उनके प्रमोशन पर पड़ सकता है। मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले में अपराध नियंत्रण और प्रतिबंधात्मक कार्रवाई में लापरवाही करने पर एसपी संपत उपाध्याय ने 26 थाना प्रभारियों को निंदा की सजा दी है। यह सजा उनके सर्विस रिकॉर्ड में दर्ज होगी, जिसका असर उनके प्रमोशन पर पड़ सकता है।

समीक्षा बैठक में सामने आई कमी: विगत दिनों कंट्रोल रूम में आयोजित अपराध समीक्षा बैठक में एसपी ने 1 जनवरी 2025 से 15 फरवरी 2025 के बीच हुई प्रतिबंधात्मक कार्रवाई और लघु अधिनियम के तहत कार्रवाई के आंकड़ों की समीक्षा की। साथ ही 1 जनवरी 2026 से 15 फरवरी 2026 की अवधि की भी तुलना की गई।

दुष्कर्मी के घर पहुंचकर परिजनों ने किया बवाल, बीच-बचाव में आई मां की पिटने से हुई मौत

शिवपुरी ■ निसं

दुष्कर्म के आरोप के बाद रन्नौद में तनावपूर्ण हालात बन गए। आक्रोशित परिजनों के हमले में आरोपी की मां की मौत हो गई, जबकि आरोपी युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

जिले के रन्नौद कस्बे में दुष्कर्म की घटना के बाद हालात हिंसक हो गए। दुष्कर्म का आरोप सामने आने के बाद पीड़िता के आक्रोशित परिजन कथित आरोपी के घर पहुंच गए और उस पर हमला कर दिया। इस दौरान बीच-बचाव करने आई आरोपी की करीब 60 वर्षीय मां की लाठियों से पिटाई कर दी गई, जिससे उनकी मौत हो गई। वहीं आरोपी युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज शिवपुरी में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। वहीं महिला की मौत के मामले में पुलिस द्वारा जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने की बात कही जा रही है। जानकारी के अनुसार आंगनवाड़ी सहायिका ने युवक पर दुष्कर्म का आरोप लगाया था। घटना की जानकारी मिलते ही पीड़िता के परिजन आक्रोशित होकर आरोपी के घर पहुंच गए और वहां मारपीट शुरू कर दी।

इसी दौरान आरोपी की मां अपने बेटे को बचाने के लिए बीच-बचाव करने पहुंचीं, लेकिन हमलावरों ने उन्हें भी लाठियों से पीट दिया। मारपीट में उनके सिर में गंभीर चोटें आईं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी।

रन्नौद थाना प्रभारी ने बताया कि आंगनवाड़ी सहायिका की शिकायत पर आरोपी युवक के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया है। वहीं महिला की मौत के मामले में जांच जारी है और जांच पूरी होने के बाद संबंधित लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया जाएगा।

दर्दनाक सड़क हादसा, आमने-सामने से भिड़ीं दो बाइकें, मौके पर हुई एक की मौत, दो गंभीर घायल

शहडोल ■ निसं

देवरा जमुनिहा तिराहे पर दो बाइकों की तेज भिड़ंत में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी बाइक पर सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

जिले के जयसिंहनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत देवरा जमुनिहा तिराहे में दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। यहां दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई, जिसमें एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी बाइक पर सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और आसपास के लोग बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंच गए।

घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने मानवता दिखाते हुए घायलों को तत्काल उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल भिजवाया। साथ ही पुलिस को भी घटना की सूचना दी गई। सूचना मिलते ही जयसिंहनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई शुरू की।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान संतोष सिंह कवर (45) पिता धनपत सिंह कवर निवासी ग्राम नौगाई, थाना जयसिंहनगर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि संतोष सिंह कवर अपनी बाइक से अकेले अपने घर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान देवरा जमुनिहा तिराहे के पास सामने से आ रही दूसरी बाइक से उनकी जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि संतोष सिंह कवर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी बाइक पर सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया ,वहीं घायलों का अस्पताल में उपचार जारी है। शनिवार सुबह पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर लिया है और पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी है। पुलिस हादसे के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है।

गर्भवती बहू से ससुराल वालों ने मांगे 10 लाख

हरदा में मेडिकल स्टोर खोलना चाहते हैं; पति समेत 6 पर दहेज प्रताड़ना का केस

हरदा ■ निसं

हरदा की सिटी कोतवाली में शुक्रवार शाम एक महिला ने अपने ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि उसके ससुराल वाले मेडिकल स्टोर खोलने के लिए 10 लाख रुपए की मांग कर रहे हैं। 6 महीने की गर्भवती होने के बावजूद महिला को इलाज से वंचित रखा गया और प्रताड़ित किया गया। पुलिस ने पति सहित 6 लोगों पर मामला दर्ज कर लिया है।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसकी शादी 11 मई 2025 को सीहोर जिले की भेरुदा तहसील के ग्राम दीपगांव निवासी संदीप कीर से हिंदू रीति-रिवाज से हुई थी।

शादी के कुछ समय बाद से ही ससुराल के लोग उसे दहेज के लिए परेशान करने लगे थे। पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था।

इलाज और खाने-पीने पर लगाई रोक: शिकायत के अनुसार, 16 फरवरी 2026 को सुबह करीब 11 बजे ससुराल वालों ने फिर दहेज को लेकर उससे कहासुनी की। पीड़िता ने जब बताया कि वह 6 माह की गर्भवती है और उसे इलाज की जरूरत है, तो परिजनों ने इनकार कर दिया। ससुराल वालों ने कहा कि जब तक वह मायके से 10 लाख रुपए नहीं लाएगी, तब तक उसे न तो इलाज मिलेगा और न ही ठीक से खाना-पीना दिया जाएगा। उन्होंने साफ कह दिया कि पैसे नहीं मिले तो वह अपने मायके चली जाए।

सिंगरौली में लेबर की मौत पर भड़के मजदूर

पावर प्लांट में आग लगाई, गाड़ियों में तोड़फोड़ की, दूर से ही धुएं का गुबार दिख रहा

सिंगरौली ■ निसं

सिंगरौली जिले के माडा थाना क्षेत्र के बधौरा स्थित एक निजी पावर प्लांट में शनिवार सुबह मजदूर की मौत के बाद जमकर हंगामा हो गया। गुस्साए मजदूरों ने प्लांट परिसर में तोड़फोड़ करते हुए आग लगा दी। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि आग प्लांट के किस हिस्से में लगी।

सामने आए वीडियो में दूर से काले धुएं का बड़ा गुबार नजर आ रहा है। प्लांट के अंदर एक साइट के नीचे भी आग लगी हुई है। हालात को काबू में करने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी तैनात किए गए हैं।

जानकारी के अनुसार, प्लांट में काम करने वाले मजदूर लल्लन सिंह की शुक्रवार देर रात अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई थी। मृतक मूल रूप से झारखंड के गढ़वा जिले का रहने वाला था और लंबे समय से इसी प्लांट में काम कर रहा था। मजदूर की मौत की खबर फैलते ही साथी मजदूरों में आक्रोश फैल गया।

प्लांट के अंदर खड़ी कई गाड़ियों पर हमला किया: गुस्साए मजदूरों ने प्लांट के अंदर खड़ी कंपनी के अधिकारियों की आधा दर्जन से गाड़ियों में तोड़फोड़ कर, पलटा दिया। इसके अलावा बधौरा चौकी प्रभारी की गाड़ी में भी तोड़फोड़ की है। इसके साथ ही प्लांट के अंदर से धुआं उठता दिख रहा है। आगजनी की आशंका है।

कंपनी कर्मचारी के साथ मजदूरों ने की मारपीट: गुस्साए मजदूरों ने कंपनी के अंदर मौजूद कर्मचारियों के साथ मारपीट भी की। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति पर काबू पाने की कोशिश की। घटना के चलते कई कर्मचारी डर के मारे सुरक्षित स्थानों पर छिप गए हैं। जिला मुख्यालय बैढ़न से दमकल की गाड़ियां रवाना की गई हैं। मौके पर पुलिस बल और मजिस्ट्रेट तैनात हैं। प्रशासन मजदूरों से बातचीत कर स्थिति को शांत कराने का प्रयास कर रहा है। प्रशासन ने पूरे मामले की जांच का आश्वासन दिया है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

कलेक्टर बोले- हार्ट अटैक से हुई मजदूर की मौत: कलेक्टर गौरव बैनल ने बताया कि शुरुआती जानकारी के अनुसार, मजदूर की मौत हार्ट अटैक से हुई है। प्रबंधन और पुलिस की मदद से शव को पोस्टमॉर्टम के लिए बैढ़न के ट्रॉमा सेंटर में रखवाया गया है।

कलेक्टर ने यह भी बताया कि शनिवार सुबह कुछ मजदूरों ने प्लांट परिसर में हंगामा और तोड़फोड़ की। आगजनी की खबरें भी मिली हैं, हालांकि अभी इसकी स्पष्ट पुष्टि नहीं हुई है।

हाईकोर्ट ने 200 करोड़ की जमीन पर रोक लगाई

वन विभाग की याचिका पर गुप्तेश्वर सोसायटी के पक्ष में आदेश पर ब्रेक

ग्वालियर ■ निसं

ग्वालियर में लगभग 200 करोड़ रुपए की जमीन से जुड़े विवाद में हाईकोर्ट ने शुक्रवार को महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश दिया। हाईकोर्ट की एकल पीठ ने गुप्तेश्वर गृह निर्माण सहकारी संस्था के पक्ष में दिए गए पिछले फैसले के अमल पर फिलहाल रोक लगा दी है।

198 बीघा जमीन को निजी संपत्ति मानने पर विवाद: 11 दिसंबर 2024 को प्रथम अपील में दिए गए फैसले में बरा गांव की 198 बीघा जमीन को निजी संपत्ति मानते हुए गुप्तेश्वर गृह निर्माण सहकारी संस्था के पक्ष में निर्णय दिया गया था। यह जमीन ग्वालियर नगर निगम सीमा के बरा गांव में स्थित है। यहां भूमि की कीमत एक करोड़ रुपये प्रति बीघा से अधिक आंकी जा रही है।

वन विभाग ने आरक्षित वन क्षेत्र होने का दावा किया: राज्य शासन और वन विभाग की ओर से शासकीय अधिवक्ता सीपी सिंह ने अदालत में तर्क दिया कि सर्वे नंबर 730, 731 और 732 सहित करीब 198 बीघा जमीन वन विभाग के कंपार्टमेंट नंबर-320 के आरक्षित वन क्षेत्र में आती है। विभाग का कहना है कि इस भूमि पर उसका कब्जा है और यहां पौधारोपण भी किया गया है।

ट्रायल कोर्ट ने पहले ही खारिज किया था दावा: सरकार की ओर से बताया गया कि ट्रायल कोर्ट ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर बिक्री और स्वामित्व से जुड़े दस्तावेजों पर संदेह जताते हुए संस्था का दावा खारिज कर दिया था।

अपील में दस्तावेजों की जांच पर उठे सवाल: राज्य सरकार ने दलील दी कि अपील में फैसला पलटते समय कई महत्वपूर्ण तथ्यों और साक्ष्यों पर पर्याप्त विचार नहीं किया गया। अतिरिक्त दस्तावेज स्वीकार करने के बाद उनकी विधिवत जांच भी नहीं की गई, जिसे प्रक्रियागत त्रुटि बताया गया।

उप मुख्यमंत्री ने मेडिकल कॉलेज शहडोल के ब्लड सेंटर का किया शुभारंभ

चिकित्सकों के संवेदनशील व्यवहार से मरीजों की आधी तकलीफ़ हो जाती है दूर : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल ■ अमृत दर्शन

चिकित्सक धरती पर भगवान के स्वरूप होते हैं। चिकित्सक मरीजों को नया जीवन देने का कार्य करते हैं। मरीज अस्पताल में जीवन की नई उम्मीदों के साथ आते हैं। यदि स्वास्थ्य विभाग का अमला पूरी ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और संवेदनशीलता के साथ व्यवहार करे तो अस्पताल आने वाले मरीजों की आधी तकलीफ स्वतः दूर हो जाती है और उन्हें जीवन जीने का संबल भी मिलता है। उक्त विचार उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने आज शासकीय बिरसा मुंडा मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय शहडोल में ब्लड सेंटर के शुभारंभ अवसर पर व्यक्त किए।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि ब्लड सेंटर का शुभारंभ शहडोल संभाग के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इससे संभाग के मरीजों को सरलता और सहजता से रक्त उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने कहा कि शासकीय बिरसा मुंडा मेडिकल कॉलेज में अध्ययनरत विद्यार्थी बेहतर शिक्षा ग्रहण कर देश और समाज की सेवा में महत्वपूर्ण योगदान दें। विद्यार्थियों को चिकित्सा शिक्षा के साथ-साथ अपनी संवेदनशीलता और सेवा भावना का भी परिचय देना चाहिए। मरीजों की सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य है। पढ़ाई पूरी कर चिकित्सक बनने के बाद बाद पिछड़े एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मरीजों अपनी सेवाएं दें।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में स्वास्थ्य सुविधाओं का निरंतर विस्तार किया जा रहा है, जिससे जरूरतमंद लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में लगातार नए मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं। वर्तमान में प्रदेश में 19 शासकीय मेडिकल कॉलेज संचालित हैं और शीघ्र ही इनकी संख्या 26 होने जा रही है। शहडोल मेडिकल कॉलेज में भी एमबीबीएस की सीटों को 100 से बढ़ाकर 200 करने तथा पीजी सीटों को 6 से बढ़ाकर 71 करने की प्रक्रिया अंतिम चरण पर हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सीएम केयर योजना के तहत मेडिकल कॉलेजों को हृदय रोग, कैंसर तथा अंग प्रत्यारोपण की सुविधा देने जा रही है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में यह नई क्रांति होगी। उन्होंने मेडिकल कॉलेज में रिक्त पदों की भर्ती हेतु विज्ञापन निकालकर वॉक-इन इंटरव्यू शीघ्र आयोजित कर भर्ती प्रक्रिया पूरा करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थियों एवं पैरामेडिकल स्टाफ द्वारा रक्तदान करने की सराहना करते हुए कहा कि यह संवेदनशीलता प्रदर्शित करता है। कार्यक्रम में रक्त दाताओं को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए।

मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. गिरीश बी. रामटेके ने बताया कि टेलीमेडिसिन सेवा के माध्यम से मार्च 2025 से फरवरी 2026 तक कुल 5587 मरीजों को चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया। उन्होंने बताया कि ब्लड सेंटर के ब्लड कंपोनेंट स्टोरेज रूम में 4 ब्लड बैंक रेफ्रिजरेटर तथा 2 डीप फ्रीजर की सुविधा उपलब्ध होगी। इसके साथ ही उन्होंने कोर्ट वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रूम, एमबीबीएस सीटों, ओपीडी संचालन सहित अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं की विस्तृत जानकारी भी दी। विधायक जयसिंह नगर मती मनीषा सिंह, विधायक जैतपुर जयसिंह मरावी, विधायक ब्यौहारी शरद कोल, जिला पंचायत अध्यक्ष मती प्रभा मिश्रा, कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, पुलिस अधीक्षक रामजी वास्तव, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं मेडिकल कॉलेज के चिकित्सक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

सोमवारा चौक पर आज शाम को कवि सम्मेलन का आयोजन

भोपाल। श्री हिंदु उत्सव समिति के तत्वाधान में 14 मार्च रात्रि 8 :00 बजे भवानी चौक सोमवारा पर अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आयोजित किया गया है। चंद्रशेखर तिवारी अध्यक्ष हिंदू उत्सव समिति ने बताया कि भवानी चौक सोमवारा पर आज रात्रि 8 :00 बजे बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे।

अब ई-मेल और वॉट्सऐप से होगी विभागीय जांच की कार्रवाई

भोपाल। मध्य प्रदेश में बदलते डिजिटल दौर के साथ अब सरकारी विभागों में कदाचार या भ्रष्टाचार के मामलों में विभागीय जांच और अनुशासनात्मक कार्रवाई इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से भी की जा सकेगी। मध्य प्रदेश सामान्य प्रशासन विभाग ने नियमों में संशोधन कर इस प्रक्रिया को वैधानिक मंजूरी दे दी है। विभाग के अपर सचिव अजय कटेसरिया द्वारा जारी आदेश के अनुसार विभागीय जांच से जुड़े नियम-30 में संशोधन किया गया है। अब ई-मेल, वॉट्सऐप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से भेजे गए नोटिस या निर्देश शासन की आधिकारिक प्रक्रिया के रूप में मान्य होंगे। संशोधित व्यवस्था के तहत किसी विभाग या वर्ग के शासकीय कर्मचारियों से जुड़ी विभागीय जांच या अनुशासनात्मक कार्रवाई से संबंधित निर्देश विभागीय पोर्टल के माध्यम से ई-मेल या अन्य डिजिटल तरीकों से भेजे जा सकेंगे। इसका अर्थ यह है कि अब आरोप पत्र जारी करने, जवाब मांगने या अन्य विभागीय कार्रवाई भी इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से की जा सकेगी और इसे शासन की वैध प्रक्रिया माना जाएगा।

प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग द्वारा बिजली कंपनी के कॉल सेन्टर का निरीक्षण

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी एक उपभोक्ता उन्मुखी कंपनी है और गुणवत्तापूर्ण निर्बाध विद्युत आपूर्ति के साथ ही उच्च स्तर की उपभोक्ता सेवाएं प्रदान करना कंपनी की प्राथमिकता में शामिल है। इसी दिशा में कंपनी के केन्द्रीयकृत कॉल सेन्टर में ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए कि उपभोक्ताओं से जुड़ी वह सभी शिकायतें कॉल सेन्टर में दर्ज हों जिनका उपभोक्ताओं को सामना करना पड़ता है। इससे एक ओर उपभोक्ताओं को बिजली दफ्तर में कम से कम आने की जरूरत पड़ेगी दूसरी ओर उपभोक्ता संतुष्टि में भी वृद्धि होगी। इससे कंपनी को लाभ मिलेगा। यह बात मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग ने गोविन्दुपरा स्थित मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के केन्द्रीय कॉल सेन्टर (1912) के निरीक्षण के दौरान कहीं। इस अवसर पर कंपनी के निदेशक (वाणिज्य) सुधीर कुमार श्रीवास्तव, मुख्य महाप्रबंधक (ओएंडएम) आर.के.अग्रवाल, महाप्रबंधक (सूचना प्रौद्योगिकी) अभिषेक मार्तण्ड और अन्य संबंधित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। निरीक्षण के दौरान प्रबंध संचालक ने केन्द्रीयकृत कॉल सेन्टर की कार्यप्रणाली व उपभोक्ता शिकायतों के निराकरण की व्यवस्था के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। प्रबंध संचालक ने स्पष्ट किया मध्यप्रदेश शासन की लोकसेवा गारंटी में बिजली उपभोक्ता हित की जो गारंटी है उनका अध्ययन किया जाए तथा कॉल सेन्टर के माध्यम से जो सेवाएं दी जा सकती हैं उसके अनुसार सॉफ्टवेयर को अपडेट किया जाए।

ग्वालियर जिले को दी 122 करोड़ रुपये के 54 विकास कार्यों की सौगात

डबल इंजन की सरकार में बहनों को मिल रही हैं डबल खुशियां : मुख्यमंत्री

- लाड़ली बहना योजना ने बहनों को बनाया स्वावलंबी
- मुख्यमंत्री ने आरोन-पटई उद्वहन सिंचाई परियोजना को दी मंजूरी
- भितरवार पीएचसी बनेगा सिविल अस्पताल
- घाटीगांव उप स्वास्थ्य केंद्र का भी होगा उन्नयन
- भितरवार और घाटीगांव में खुलेंगे आईटीआई केंद्र

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश की बहनें आत्मनिर्भरता एवं स्वावलम्बन के मामले में पूरे देश के लिए उदाहरण बन रही हैं। प्रदेश के 5 लाख से अधिक स्व-सहायता समूहों से जुड़कर करीब 65 लाख बहनें आर्थिक रूप से सशक्त हुई हैं। आज प्रदेश में 12 लाख से अधिक लखपति दीदियां कार्यरत हैं। हम महिला उद्यमियों को भी प्रोत्साहित कर रहे हैं। हमारी बहनें अब फैक्ट्रियों और उद्योगों का नेतृत्व कर रही हैं। प्रदेश के 47 प्रतिशत नए स्टार्ट-अप का नेतृत्व अब हमारी बहनों के हाथों में है। हम सभी बहनों के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए मिशन मोड में कार्य करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में डबल इंजन की सरकार है, इसलिए यहां की बहनों को लाड़ली लक्ष्मी और लाड़ली बहना योजना के रूप में डबल खुशियां मिल रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को ग्वालियर जिले के शबरी माता मंदिर परिसर, घाटीगांव में आयोजित राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन में लाड़ली बहनों को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत प्रत्येक कठिन परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार है। उन्होंने वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का लक्ष्य रखा है। इसमें प्रदेश की बहन-बेटियां भी अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नवरात्रि से पहले आज बहनों को 1500 रुपए की सौगात मिल रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लाड़ली बहना योजना में बहनों को योजना की 34वीं किश्त प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख 27 हजार से अधिक बहनों के खाते में 1 हजार 836 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की। इनमें ग्वालियर जिले की 3 लाख 16 हजार से अधिक लाड़ली बहनें भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब प्रदेश की हर लाड़ली बहनों के खाते में हर महीने 1500 रुपये भेजे जा रहे हैं। लाड़ली बहन योजना में अब तक 52 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि बहनों को दी जा चुकी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी लाड़ली बहनों से अपील करते हुए कहा कि वे हर महीने मिलने वाली इस राशि से अपनी बेहतरी के लिए कोई भी रुचिकर काम-धंधा शुरु करें और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण में योगदान दें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्वालियर जिले को 121 करोड़ 95 लाख रुपये की लागत वाले 54 विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने सिंगल क्लिक से लगभग 60 करोड़ रुपये की लागत के 35 विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लगभग 62 करोड़ रुपये की लागत वाले 19 विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इसमें 39 करोड़ 86 लाख रुपये की लागत से कुलैथ घाटीगांव में शासकीय सांदीपनि विद्यालय के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण भी शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 2 महीने बाद लाड़ली बहना योजना के 3 साल पूरे हो जाएंगे। इन 3 सालों में प्रदेश की बहनों की जिन्दगी जिस तरह से बदली है, वह भूतो न भविष्यति है।

एसडीएम एमपी नगर द्वारा विनीत गैस एजेंसी का आकस्मिक निरीक्षण

स्टॉक में अनियमितता मिलने पर कार्रवाई के निर्देश

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल में गैस सिलेंडरों के भंडारण और वितरण व्यवस्था की जांच के तहत आज एसडीएम एमपी नगर एल. के. खरे द्वारा जंबूरी मैदान स्थित विनीत गैस एजेंसी का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान गोदाम में बड़ी मात्रा में कमर्शियल एवं घरेलू गैस सिलेंडर पाए गए, जिनके स्टॉक में अनियमितता सामने आई।

निरीक्षण के दौरान गोदाम के अंदर 51 बड़े कमर्शियल सिलेंडर, 147 पाँच किलोग्राम के कमर्शियल सिलेंडर तथा 18 प्लास्टिक कमर्शियल सिलेंडर भरे हुए पाए गए। इसके अतिरिक्त घरेलू श्रेणी के 535 भरे हुए तथा 823 खाली सिलेंडर भी गोदाम में पाए गए।

जांच के दौरान उपलब्ध सिलेंडरों का स्टॉक रजिस्टर से मिलान नहीं हो पाया, जिससे अनियमितता की आशंका व्यक्त की गई। निरीक्षण के समय फूड इंस्पेक्टर प्रवीण भी उपस्थित रहे।

एसडीएम खरे ने मामले को गंभीरता से लेते हुए फूड इंस्पेक्टर को आवश्यक जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मौके पर ही संपूर्ण कार्रवाई का पंचनामा तैयार किया गया तथा संबंधित गैस एजेंसी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है।

प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि गैस सिलेंडरों के भंडारण और वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता या नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कटनी जिले के बरही में किसान सम्मेलन में शामिल होंगे सीएम डॉ. मोहन यादव

243.22 करोड़ के विकास कार्यों का करेंगे लोकार्पण-शिलान्यास

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को शुजालपुर में हुए सर्व धर्म सामूहिक विवाह सम्मेलन को मुख्यमंत्री निवास से वीसी से संबोधित कर नव-दम्पत्तियों को बधाई और आशीर्वाद दिया।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 14 मार्च को कटनी जिले के बरही में किसान सम्मेलन में शामिल होंगे। इस दौरान 243.22 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे तथा किसानों को विभिन्न योजनाओं का लाभ देंगे। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार, 14 मार्च को कटनी जिले के बरही (विजयराघवगढ़) में आयोजित किसान सम्मेलन में शामिल होंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री क्षेत्र को बड़ी सौगात देते हुए 243.22 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले विभिन्न निर्माण एवं विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत तालाब सौंदर्यीकरण की शुरुआत: मुख्यमंत्री जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बरही के बड़े तालाब के सौंदर्यीकरण कार्य का शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम के बाद वे बरही के बड़े तालाब से श्री विजयनाथ धाम मंदिर प्रांगण सभा स्थल तक आभार रैली में भी शामिल होंगे।

किसान सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री कृषि और उससे जुड़े विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे। इस प्रदर्शनी में आधुनिक खेती, सिंचाई और पशुपालन से जुड़ी योजनाओं की जानकारी किसानों को दी जाएगी।

मुख्यमंत्री कार्यक्रम में विभिन्न सरकारी योजनाओं से लाभान्वित 7 हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण भी करेंगे। जिन योजनाओं के तहत लाभ दिया जाएगा, उनमें प्रमुख रूप से–

- प्रधानमंत्री कृषक मित्र योजना
- प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना
- डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना
- सुपर सीडर योजना
- प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना
- स्व-सहायता समूह बैंक योजना
- रिस्पोंसिबल टूरिज्म होम स्टे योजना

राजधानी भोपाल जल अभावग्रस्त घोषित, प्राइवेट ट्यूबवेल खनन पर रोक

भोपाल। कलेक्टर कोशलेन्द्र विक्रम सिंह ने शुक्रवार को आदेश जारी करते हुए भोपाल भोपाल जिले को जल अभावग्रस्त घोषित कर दिया गया है। इसके साथ ही पूरे जिले में निजी ट्यूबवेल और बोरवेल खनन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है।आदेश के उल्लंघन पर एफआईआर दर्ज होने के साथ दो साल तक की सजा का प्रावधान है। कलेक्टर के आदेश के अनुसार राजधानी में अब बगैर अनुमति ट्यूबवेल या नलकूप खनन नहीं किया जा सकेगा। यदि कोई व्यक्ति अवैध रूप से बोरिंग कराता है या मशीन जिले में प्रवेश करती है, तो संबंधित एसडीएम और पुलिस अधिकारी मशीन जब्त कर एफआईआर दर्ज करवा सकेंगे। आदेश का उल्लंघन करने पर दो हजार रुपए जुर्माना, दो साल की सजा या दोनों हो सकते हैं। साथ ही बोरवेल मशीनों के जिले से गुजरने पर भी रोक लगा दी गई है।

एम्स भोपाल में 17 वर्षीय अरुण आदिवासी का नेत्रदान, मानवता और समाज सेवा की मिसाल

भोपाल ■ अमृत दर्शन

एम्स भोपाल लगातार चिकित्सा सेवाओं और समाज के लिए उपयोगी कार्यों में नई ऊँचाइयाँ स्थापित कर रहा है। इसी क्रम में, एम्स भोपाल में 17 वर्षीय स्वर्गीय अरुण आदिवासी का नेत्रदान किया गया। उनके पिता जमुना प्रसाद और परिवार के सदस्यों ने इस नेक कार्य का निर्णय लिया, जिससे किसी के जीवन में प्रकाश फैलाया जा सके।

नेत्रदान प्रक्रिया में एम्स भोपाल के ऑपथैल्मोलॉजी विभाग की नेत्र बैंक टीम ने मुख्य भूमिका निभाई। रेड ट्राइज ट्रॉमा इमरजेंसी टीम, ऑन ड्यूटी नर्सिंग स्टाफ और डॉक्टरों ने पूरी प्रक्रिया में सहयोग किया। नेत्र बैंक टीम ने परिवार को नेत्रदान के महत्व और प्रक्रिया की जानकारी दी। परिवार ने सहमति देने के बाद नेत्रदान पूरी तरह से संपन्न किया।

इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) भावना शर्मा (प्रमुख, ऑपथैल्मोलॉजी विभाग) ने कहा, नेत्रदान एक ऐसा कार्य है जो किसी के जीवन में रोशनी भर सकता है। उन्होंने डोनर के परिवार को इस नेक कार्य के लिए धन्यवाद दिया।

नई शिक्षा व्यवस्था से विद्यार्थियों को मिलेगा बहु-विषयक ज्ञान- एसीएस राजन

'विकसित भारत, 2047 को लेकर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का किया शुभारंभ

भोपाल ■ निसं

शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय, भोपाल द्वारा 'विकसित भारत ञ्च 2047 : संस्कृति, ज्ञान तथा सततता पर अन्तर्विषयी दृष्टिकोण' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसका शुक्रवार को अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन ने शुभारंभ किया। साथ ही महाविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी को लेकर तैयार की गई स्मारिका एवं मोनोग्राफ का लोकार्पण भी किया।

अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा राजन ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में शिक्षा व्यवस्था में बहुविषयक अध्ययन पद्धति को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को बहु-विषयक ज्ञान प्रदान करना है। एसीएस राजन ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में समग्र विकास की अवधारणा पर जोर देते हुए कहा कि केवल आर्थिक विकास ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि समाज के संतुलित और समग्र विकास के लिए मानव मूल्यों, संस्कृति, विरासत और पर्यावरण के संरक्षण पर भी समान रूप से ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विज्ञान का अध्ययन महत्वपूर्ण है, लेकिन इसके साथ-साथ कला और सामाजिक विषयों से भी जुड़ाव उतना ही आवश्यक है, जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो सके।

शोध-पत्र प्रस्तुत किये जायेंगे: संगोष्ठी के दौरान विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से आए प्राध्यापक, शोधार्थी और छात्र-छात्राएं अपने शोधपत्र प्रस्तुत करेंगे। साथ ही विकसित भारत 2047 की संकल्पना के संदर्भ में संस्कृति, ज्ञान परंपरा और सतत विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श भी किया जा रहा है।

राजन ने प्रदर्शनी का किया अवलोकन

अपर मुख्य सचिव राजन ने दो दिसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में महाविद्यालय परिसर में विभिन्न संकायों द्वारा लगाई गए एक विशेष अन्तर्विषयी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने छात्राओं से संवाद कर प्रदर्शनी के बारे में जानकारी भी प्राप्त की। इसके साथ ही प्राचीन सिक्कों का संग्रह, सम्राट विक्रमादित्य के सिक्के, उज्जैन के महाकाल मंदिर से संबंधित सिक्के तथा अन्य कालखंडों के दुर्लभ सिक्कों का प्रदर्शन भी किया गया। इसके अतिरिक्त पद्मश्री डॉ. नारायण व्यास द्वारा संग्रहित प्राचीन औजार, पंचांग, डाक टिकट तथा अन्य पुरावस्तुओं का भी प्रदर्शन किया गया।

भोपाल नगर निगम में लोकायुक्त का छापा

भोपाल ■ अमृत दर्शन

पुलिस महानिदेशक, लोकायुक्त भोपाल योगेश देशमुख के निर्देश में एवं पुलिस उप महानिरीक्षक, मनोज कुमार सिंह के मार्गदर्शन में लोकायुक्त संभाग, भोपाल की कार्यवाही- आवेदक के द्वारा अनावेदकगण गुणवंत सेवितकर अपर आयुक्त (वित्त) एवं अन्य कर्मचारी/अधिकारीगण नगर निगम भोपाल के विरूद्ध एक शिकायत आवेदन पत्र विपुस्था, लोकायुक्त कार्यालय भोपाल में प्रस्तुत कर शिकायत किया गया कि नगर निगम भोपाल में पदस्थ गुणवंत सेवितकर अपर आयुक्त वित्त के द्वारा अन्य कर्मचारियों के साथ मिलकर नगर निगम भोपाल में केन्द्रीय कर्मशाला / मोटर वर्कशॉप में गाड़ियो के रंग, अन्य मरम्मत कार्य, जल कार्य विभाग एवं सामान्य प्रशासन विभाग के बगैर कार्य कराये फर्जी ई- बिल तैयार करके एसएपी सॉफ्टवेयर के माध्यम से करोड़ो रूपये के फर्जी भुगतान किये गये है। बिलों में हेरफेर कर विभिन्न मद और नये मद बनाकर, बिना काम कराये गये काम की राशि अपने परिचितों एवं रिश्तेदारों की बनायी गई फर्मों में स्थानांतरित करते हैं। फर्जी बिलों का भुगतान कर कमीशन राशि प्राप्त करते हैं।

अनमोल वचन

वृक्ष अपने सिर पर गरमी सहता है पर अपनी छाया में दूसरों का ताप दूर करता है।
तुलसीदास

सज्जन पुरुष बादलों के समान देने के लिए ही कोई वस्तु ग्रहण करते हैं।
कालिदास

सम्पादकीय

गैस संकटः सरकार के दावे और ज़मीनी हकीकत?

देश के कई हिस्सों में रसोई गैस को लेकर जिस तरह की स्थिति सामने आ रही है, उसने आम जनता की चिंता बढ़ा दी है। लोगों के पास ना तो रसोई गैस है ना केरोसिन तेल है और ना ही लकड़ी उपलब्ध हो रही है। कई स्थानों पर तो बिजली सप्लाई भी नहीं हो पा रही है। ऐसे में घर में खाना बनाना सबसे मुश्किल काम हो गया है। एक ओर सरकार दावा कर रही है, देश में एलपीजी की कोई कमी नहीं है, वहीं दूसरी ओर उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर के लिए लंबी कतारों में घंटों खड़े रहना पड़ रहा है। देश के सैकड़ो स्थान से इस बात के वीडियो और फोटो समाचार पत्रों, न्यूज़ चैनल्स और सोशल मीडिया में प्रदर्शित हो रहे हैं। कई स्थानों पर डीलर खुले तौर पर कह रहे हैं, उनके पास पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध नहीं है। पिछले कई दिनों से गैस की बुकिंग और सप्लाई बंद है। यह विरोधाभास केवल प्रशासनिक, नीतिगत और व्यवस्था की समस्या नहीं है वरन उन करोड़ों लोगों की समस्या है जिनके घर पर ना तो चाय बन पा रही है ना खाना बन पा रहा है। जो सरकार के दावों की हकीकत को उजागर कर रहा है। भारत में घरेलू रसोई गैस की आपूर्ति मुख्य रूप से सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों-इंडियन आयल कारपोरेशन, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के माध्यम से की जाती है। इसके अलावा निजी गैस कंपनियां भी गैस सप्लाई करती हैं लेकिन सभी कंपनियों की गैस आपूर्ति प्रभावित हुई है। सरकार का तर्क है, इन कंपनियों के पास पर्याप्त भंडार है। वितरण प्रणाली सामान्य रूप से चल रही है, पर वास्तविकता में उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर नहीं मिल पा रहे है। 1800 से 2000 रुपए में एलपीजी का घरेलू गैस सिलेंडर कालाबाजारी से मिल रहा है। वही कमर्शियल गैस सिलेंडर 4000 रुपये तक में बिक रहा है। सरकार इसे वितरण तंत्र की गंभीर खामी बताकर पल्ला झाड़ रही है। जमीनी स्तर पर डीलरों का कहना है, उन्हें कंपनियों से समय पर पर्याप्त संख्या में सिलेंडर नहीं मिल रहे हैं। पोर्टल ठीक तरीके से काम नहीं कर रहा है। गैस डीलर भी जिस माध्यम से बुकिंग करते हैं उसका भी पोर्टल बार-बार या तो धीमा हो जाता है या बंद हो जाता है। जिसके कारण वह उपभोक्ताओं की मांग को पूरी नहीं कर पा रहे हैं। बुकिंग के बाद भी उपभोक्ताओं को कई दिनों तक सिलेंडर का इंतजार करना पड़ रहा है। जिसके कारण करोड़ों घर में खाना बनाना मुश्किल हो गया है। इससे सवाल उठता है, यदि उत्पादन और भंडारण पर्याप्त है, तो फिर गैस की आपूर्ति में बाधा क्यों है? इस समस्या से आम आदमी से लेकर होटल व्यवसाय से जुड़े हुए लोगों और शादी ब्याह के आयोजनों में लोगों को बड़ी परेशानी हो रही है। गैस के कारण मात्र असुविधा नहीं वरन गैस लूटने तक की घटनाएं सामने आ रही हैं। रसोई गैस आम परिवारों की बुनियादी आवश्यकता है। इसका कोई विकल्प भी उनके पास उपलब्ध नहीं है। शहरी और अर्धशहरी क्षेत्रों के करोड़ों परिवार एलपीजी गैस पर निर्भर हैं। ऐसे में गैस की आपूर्ति बाधित होने पर इसका सीधा असर करोड़ों लोगों के जीवनयापन और छोटे व्यवसायों पर पड़ा है। सरकार केवल बयान देने तक सीमित न रहे। सरकार और कार्यपालिका की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है, वह गैस की आपूर्ति प्रणाली की वास्तविक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए युद्ध स्तरीय प्रयास करे। गैस की आपूर्ति को लेकर जमाखोरी, परिवहन या वितरण में गड़बड़ी है, तो उस पर तुरंत सख्त से सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। गैस एजेंसियों और उपभोक्ताओं के बीच पारदर्शी एवं जवाबदेही के लिए संवाद जरूरी है, सार्वजनिक क्षेत्र में और मंदिर इत्यादि में जहां लंगर इत्यादि गरीबों के लिए चलाए जाते हैं वहां पर गैस की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। ताकि भ्रम की स्थिति समाप्त हो। लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में जनता की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के साथ होना चाहिए। यदि सरकार का दावा सही है, गैस की कमी नहीं है तो ऐसी स्थिति में जनता को सड़कों पर उतरने की नौबत क्यों आई है? इस प्रश्न का स्पष्ट और ईमानदार उत्तर देना सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी है। गैस संकट का वास्तविक समाधान तभी हो सकता है, जब सभी पक्ष ईमानदारी के साथ वास्तविक स्थिति को ध्यान में रखते हुए आपस में सहयोग करें। गैस, पेट्रोल, डीजल अब सभी लोगों से नियमित रूप से जुड़ा हुआ एक ऐसा मामला है जिसके बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है और ना ही इसे झुठलाया जा सकता है। सभी पक्ष जितनी जल्दी हकीकत को समझ लेंगे, समस्या का समाधान उतनी ही जल्दी निकाल पाएंगे।

चिंतन-मनन

इच्छा का लक्ष्य है खुशी

बुरी आदत को छोड़ने की असमर्थता तुम्हें तकलीफ देती है। जब तुम बहुत पीड़ित होते हो, वह व्यथा तुम्हें उस आदत से छुटकारा दिलाती है। जब तुम अपनी कमियों से व्यथा महसूस करते हो, तब तुम साधक हो। पीड़ा तुम्हें आसक्ति से दूर करती है। यदि अपने दुर्गुणों को हटा नहीं सकते, तो उन्हें विस्तृत कर दो। चिन्ता, अभिमान, प्रोध, कामना, दुख सबको एक और बड़ा आयाम दे दो, एक दूसरी दिशा। छोटे-छोटे विषयों पर नाराज होने का क्या तुक है? नाराज होना है तो अनन्तता के प्रति, ब्रह्म के प्रति हो। यदि तुम अपने अहंकार को नहीं खत्म कर सकते तो अहंकार करो कि ईश्वर तुम्हारे हैं। यदि आसक्ति तुम पर छाई है, तो सत्य के प्रति आसक्त हो जाओ। यदि ईर्ष्या तुम्हें सताती है, तो सेवा के लिए ईर्ष्या करो। द्वेष के प्रति द्वेष रखो; गुरु से राग करो। दिव्यता के प्रति मदहोश हो जाओ।

इन्द्रिय सुखों की इच्छाएं विद्युत की तरह हैं; जैसे-जैसे वे विषय विस्तुओं की ओर बढ़ती है, निष्प्रभावी हो जाती हैं। अपनी कुशलता से यदि तुम इच्छाओं को अपने भीतर मोड़ सको- अपने अस्तित्व के केन्द्र की ओर- तो तुम्हें मिलेगा एक और आयाम- चिरन्तन सुख, रोमांच, परमानन्द और शात प्रेम। वासना, लोभ और ईर्ष्या इसलिए शक्तिशाली हैं क्योंकि ये केवल ऊर्जा हैं और तुम ही इनके स्रेत हो- वह विशुद्ध ऊर्जा। निष्ठा और भक्ति तुम्हारी ऊर्जा को शुद्ध बनाए रखती हैं, तुम्हें उन्नत करती हैं।

जब तुम यह समझ लेते हो कि तुम स्वयं ही सुख की विद्युत धारा हो, तुम्हारी लालसाएं घटने लगती हैं और प्रशांति आती है। मृत्यु निश्चित है - यह याद रखने से तुम वर्तमान क्षण में सजीव रहते हो, राग और द्वेष से मुक्त। इच्छा खुशी को खत्म करती है, लेकिन सभी इच्छाओं का लक्ष्य है खुशी। जब भी जीवन से खुशी गायब होने लगे, भीतर गहराई में झांककर देखो- तुम पाओगे यह इच्छा के कारण हो रहा है। लेकिन हमारी इच्छा ही केवल खुशी है। कोई जीव आज तक पैदा नहीं हुआ जिसे दु:ख की चाह हो- न ऐसा पहले कभी हुआ है, न भविष्य में होगा। जब तुम्हारा छोटा मन इधर-उधर, जब जगह भागते-भागते थक जाता है, वह इस निष्कर्ष पर पहुंचता है, मेरी इच्छाओं ने मेरी खुशी छीन ली है।

संसद में हंगामा और वास्तविक मुद्दों से भटकती राजनीति

कांतिलाल मांडोत

इसलिए जब संसद में गंभीर विषयों पर विचार के बजाय लगातार हंगामा और टकराव देखने को मिलता है तो स्वाभाविक रूप से जनता के मन में निराशा पैदा होती है। हाल के दिनों में संसद के दोनों सदनों में जो स्थिति देखने को मिली उसने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या राजनीतिक दल वास्तव में राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर गंभीरता से चर्चा करना चाहते हैं या फिर संसद को केवल राजनीतिक रणनीति का मंच बना दिया गया है।

लोकतंत्र में संसद केवल बहस का मंच नहीं होती बल्कि वह देश की सामूहिक बुद्धि और जिम्मेदारी का प्रतीक भी होती है। यहा लिए गए निर्णय देश की दिशा तय करते हैं और यहां होने वाली चर्चाएं करोड़ों लोगों की उम्मीदों से जुड़ी होती हैं। इसलिए जब संसद में गंभीर विषयों पर विचार के बजाय लगातार हंगामा और टकराव देखने को मिलता है तो स्वाभाविक रूप से जनता के मन में निराशा पैदा होती है। हाल के दिनों में संसद के दोनों सदनों में जो स्थिति देखने को मिली उसने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या राजनीतिक दल वास्तव में राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर गंभीरता से चर्चा करना चाहते हैं या फिर संसद को केवल राजनीतिक रणनीति का मंच बना दिया गया है।

सोमवार को संसद के सत्र में अमेरिका इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध को लेकर विपक्ष ने जोरदार हंगामा किया। विपक्ष की मांग थी कि इस अंतरराष्ट्रीय संघर्ष के असर पर संसद में विस्तृत चर्चा कराई जाए। यह मांग अपने आप में गलत नहीं कही जा सकती क्योंकि मध्य पूर्व की घटनाओं का असर भारत सहित दुनिया के कई देशों पर पड़ सकता है। भारत के लाखों नागरिक खाड़ी देशों में काम करते हैं और तेल की कीमतों में उतार चढ़ाव का सीधा असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। ऐसे में इस विषय पर चर्चा की मांग को पूरी तरह असंगत नहीं कहा जा सकता। लेकिन जिस तरीके से विपक्ष ने इसे लेकर संसद की कार्यवाही बाधित की उसने इस मांग की गंभीरता पर ही सवाल खड़े कर दिए।

लोकसभा में कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी और हंगामा शुरू कर दिया। स्थिति ऐसी बन गई कि महज कुछ ही मिनटों में सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। बाद में जब विदेश मंत्री स्सुभरमन्यम जयशंकर ने इस मुद्दे पर सरकार का पक्ष रखने के लिए बयान देना शुरू किया तो भी विपक्ष ने विरोध जारी रखा। विपक्ष का कहना था कि मंत्री के बयान से पहले इस मुद्दे पर चर्चा कराई जानी चाहिए ताकि वे सरकार से सवाल पूछ सकें। दूसरी ओर सरकार का कहना था कि पहले मंत्री का वक्तव्य सुना जाए और उसके बाद चर्चा हो सकती है। इस टकराव के बीच सदन की कार्यवाही कई बार बाधित हुई और अंततः पूरे दिन कोई सार्थक चर्चा नहीं हो सकी।

इस पूरे घटनाक्रम में एक और दिलचस्प पहलू सामने आया। विपक्ष ने पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया था। संसदीय परंपरा के अनुसार जब ऐसा प्रस्ताव आता है तो उसे सदन में प्रस्तुत किया जाना चाहिए ताकि उस पर चर्चा हो सके। लेकिन जब सभापति जगदम्बिका पाल ने विपक्ष से प्रस्ताव पेश करने के लिए कहा तो विपक्ष ने ऐसा करने से परहेज किया और हंगामा जारी रखा। इससे यह संदेश गया कि विपक्ष स्वयं अपने प्रस्ताव को लेकर स्पष्ट नहीं है और उसकी प्राथमिकता वास्तविक बहस से अधिक राजनीतिक दबाव बनाना है।

संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजीजू ने भी इसी बात को उठाते हुए कहा कि विपक्ष खुद ही कंफ्यूज है कि वह करना क्या चाहता है। उनका तर्क था कि पहले स्पीकर के खिलाफ नोटिस दिया गया और फिर दूसरा मुद्दा उठाकर हंगामा किया जा रहा है। दूसरी ओर राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि मध्य पूर्व में तेजी से बदल रहे हालात का भारत पर असर पड़ रहा है इसलिए इस पर चर्चा जरूरी है। उनके अनुसार तेल की कीमतों में वृद्धि और खाड़ी देशों में काम कर रहे भारतीयों की सुरक्षा जैसे मुद्दे गंभीर हैं और सरकार को इस पर स्पष्ट जानकारी देनी चाहिए।

दरअसल यह सच है कि अंतरराष्ट्रीय संघर्षों का प्रभाव भारत पर पड़ सकता है। तेल की कीमतें बढ़ने से महंगाई पर असर पड़ता है और विदेशों में काम कर रहे भारतीयों की सुरक्षा भी महत्वपूर्ण चिंता होती है। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि अमेरिका और ईरान जैसे शक्तिशाली देशों के बीच चल रहे युद्ध को भारत अपने स्तर पर रोक नहीं सकता। भारत एक जिम्मेदार कूटनीतिक भूमिका जरूर निभा सकता है और शांति की अपील कर सकता है लेकिन किसी अंतरराष्ट्रीय युद्ध को रोक देना उसके हाथ में नहीं होता। ऐसे में इस विषय को लेकर संसद में लगातार हंगामा करना कहीं न कहीं राजनीतिक रणनीति अधिक और वास्तविक समाधान की कोशिश कम दिखाई देता है।

संसद का समय अत्यंत मूल्यवान होता है। सभापति ने यह भी याद दिलाया कि संसद के हर मिनट पर लाखों रुपये खर्च होते हैं और यह पैसा अंततः जनता का ही होता है। जब संसद का समय हंगामे में नष्ट होता है तो उसका नुकसान केवल सरकार या विपक्ष को नहीं बल्कि पूरे देश को होता है। जनता अपने प्रतिनिधियों को इसलिए चुनकर भेजती है ताकि वे उनकी समस्याओं को उठाएं और समाधान के लिए ठोस चर्चा करें। लेकिन जब बहस के बजाय शोर और टकराव हावी हो जाता है तो लोकतांत्रिक प्रक्रिया कमजोर होती है।

आज देश के सामने अनेक गंभीर मुद्दे हैं जिन पर संसद में सार्थक चर्चा की आवश्यकता है। बेरोजगारी आर्थिक असमानता महंगाई कृषि संकट और शिक्षा स्वास्थ्य जैसी समस्याएं सीधे आम नागरिक के जीवन को प्रभावित करती हैं। यदि विपक्ष इन मुद्दों को मजबूती से उठाए तो उसे जनता का व्यापक समर्थन मिल सकता है। इसी तरह सरकार की जिम्मेदारी भी है कि वह विपक्ष को चर्चा का पर्याप्त अवसर दे और लोकतांत्रिक संवाद की भावना को मजबूत करे।

लोकतंत्र की सुंदरता इसी में है कि सत्ता और विपक्ष दोनों मिलकर राष्ट्रीय हित में काम करें। असहमति लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है लेकिन असहमति का अर्थ केवल विरोध करना नहीं बल्कि रचनात्मक बहस करना भी होता है। यदि संसद में हर मुद्दा केवल राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप और हंगामे का कारण बन जाएगा तो लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि राजनीतिक दल अल्पकालिक राजनीतिक लाभ से ऊपर उठकर संसद की गरिमा को प्राथमिकता दें। अंतरराष्ट्रीय घटनाओं पर चर्चा जरूर होनी चाहिए लेकिन वह चर्चा तथ्य और तर्क पर आधारित होनी चाहिए न कि केवल राजनीतिक प्रदर्शन के रूप में। जब संसद में गंभीर बहस होगी तभी जनता का विश्वास मजबूत होगा और लोकतंत्र की वास्तविक भावना भी कायम रहेगी।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार)

अविश्वास प्रस्ताव की राजनीति एवं लोकतांत्रिक मूल्य

ललित गर्ग

लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाना एक गंभीर संसदीय कदम माना जाता है। यह केवल राजनीतिक विरोध का साधन नहीं होता, बल्कि इसके पीछे ठोस तर्क, गंभीर आरोप और व्यापक समर्थन होना अपेक्षित होता है। किंतु जिस प्रकार विपक्ष ने यह प्रस्ताव लाया और बाद में उसकी गंभीरता का अभाव दिखाया, उसने इस पूरी प्रक्रिया को प्रश्नों के घेरे में खड़ा कर दिया। जब यह प्रस्ताव ध्वनि मत से खारिज हुआ तो विपक्ष ने मतदान की मांग तक नहीं की। यदि विपक्ष को अपने प्रस्ताव पर पूरा विश्वास होता और उसे लगता कि वह सदन का समर्थन प्राप्त कर सकता है।

भारतीय लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण संस्था संसद है, जहां न केवल कानून बनते हैं बल्कि राष्ट्र की दिशा और दशा पर गंभीर विमर्श भी होता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था का मूल आधार यही है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों अपनी-अपनी भूमिका को लोकतांत्रिक तरीके से जिम्मेदारी, संयम और मर्यादा के साथ निभाएं, यह नितांत अपेक्षित है। किंतु हाल के दिनों में जिस तरह से लोकसभा में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाया गया अविश्वास प्रस्ताव चर्चा में आया, उसने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया कि क्या विपक्ष वास्तव में संसदीय मर्यादाओं और लोकतांत्रिक जिम्मेदारियों को लेकर गंभीर है या वह केवल स्वार्थ की राजनीतिक करने के लिए ऐसे कदम उठा रहा है। लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाना एक गंभीर संसदीय कदम माना जाता है। यह केवल राजनीतिक विरोध का साधन नहीं होता, बल्कि इसके पीछे ठोस तर्क, गंभीर आरोप और व्यापक समर्थन होना अपेक्षित होता है। किंतु जिस प्रकार विपक्ष ने यह प्रस्ताव लाया और बाद में उसकी गंभीरता का अभाव दिखाया, उसने इस पूरी प्रक्रिया को प्रश्नों के घेरे में खड़ा कर दिया। जब यह प्रस्ताव ध्वनि मत से खारिज हुआ तो विपक्ष ने मतदान की मांग तक नहीं की। यदि विपक्ष को अपने प्रस्ताव पर पूरा विश्वास होता और उसे लगता कि वह सदन का समर्थन प्राप्त कर सकता है, तो वह निश्चित रूप से मत विभाजन की मांग करता। लेकिन ऐसा न होना इस तथ्य को ही पुष्ट करता है कि विपक्ष स्वयं भी जानता था कि यह प्रस्ताव पारित होने की स्थिति में नहीं है। इससे भी अधिक आश्चर्यजनक स्थिति तब देखने को मिली जब प्रस्ताव पर चर्चा का अवसर आया तो विपक्ष ने स्वयं उस पर चर्चा करने के बजाय पश्चिम एशिया के संकट पर बहस की मांग शुरू कर दी। यह विषय निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है, किंतु यदि विपक्ष ने स्वयं लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया था तो उसे पहले उसी पर गंभीर चर्चा करनी चाहिए थी। सरकार की ओर से भी यह स्पष्ट किया गया कि वह अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा से पीछे नहीं है, लेकिन संसद की कार्यवाही को नियमों और प्राथमिकताओं के अनुसार चलाना आवश्यक है। इस पूरे घटनाक्रम ने यह संकेत दिया कि विपक्ष विशेष रूप से कांग्रेस अपने ही प्रस्ताव को लेकर गंभीर नहीं थी। इस अवसर पर ही नहीं, अनेक अवसरों पर उसने गैर-जिम्मेदारी एवं बचकानेपन का अहसास कराया है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। वह सरकार की नीतियों की समीक्षा करता है, उसकी गलतियों को उजागर करता है और वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करता है। किंतु जब विपक्ष केवल राजनीतिक आरोपों और शोर-शराबे तक सीमित रह जाए तो लोकतांत्रिक विमर्श कमजोर पड़ने लगता है। यहां सत्ता-पक्ष के लिये भी यह गौर करने की बात है कि आखिर विपक्ष को ऐसा क्यों लग रहा है कि उसकी बातों को अनसुना किया जाता है? पक्ष एवं विपक्ष दोनों को ही विश्वास, समन्वय एवं सौहार्द बनाये रखते हुए ही आगे बढ़ना होगा। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का व्यवहार भी कई बार संसदीय मर्यादाओं के संदर्भ में चर्चा का विषय बना है। यह सच है कि विपक्ष के नेता के रूप में उन्हें सरकार की आलोचना करने और अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि संसदीय नियमों और परंपराओं को दरकिनार कर दिया जाए। संसद की कार्यवाही स्पष्ट नियमों और प्रक्रियाओं के अधीन चलती है और इन नियमों का पालन करना हर सांसद की जिम्मेदारी है। बीते कुछ समय से राहुल गांधी संसद के भीतर और बाहर यह आरोप लगाते रहे हैं कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के मामले में प्रधानमंत्री ने समर्पण कर दिया है। इस तरह के आरोपों को उन्होंने कई मंचों पर दोहराया है, किंतु इन दावों के समर्थन में ठोस तथ्य प्रस्तुत नहीं किए गए। इसी प्रकार उन्होंने चुनाव आयोग पर भी यह आरोप लगाया कि वह मतदाता सूचियों के विशेष पुनरीक्षण के माध्यम से सत्तारूढ़ दल को लाभ पहुंचाने का प्रयास कर रहा है। ऐसे आरोप लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाने वाले होते हैं और यदि इन्हें प्रमाणों के बिना बार-बार दोहराया जाए तो यह लोकतांत्रिक संस्कृति के लिए भी उचित नहीं माना जा सकता। इसी संदर्भ में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में विस्तार से यह बताया कि लोकसभा अध्यक्ष पर बोलने का अवसर न देने का आरोप लगाने वाले राहुल गांधी ने स्वयं कई महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा में भाग नहीं लिया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि संसद के विभिन्न सत्रों के दौरान उनकी उपस्थिति अपेक्षाकृत कम रही है और कई बार महत्वपूर्ण बहसों के दौरान वे विदेश यात्राओं पर रहे। इन तथ्यों को सामने रखते हुए यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि यदि संसद में सक्रिय भागीदारी ही कम होगी तो संसदीय विमर्श को प्रभावी कैसे बनाया जा सकेगा। जहां तक लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का प्रश्न है, उनका कार्यकाल कई दृष्टियों से उल्लेखनीय रहा है। उन्होंने सदन की कार्यवाही को संतुलित, संयमित और नियमबद्ध ढंग से संचालित करने का प्रयास किया है। उनके नेतृत्व में संसद की कार्यवाही को अधिक उत्पादक बनाने की दिशा में कई प्रयास किए गए। उन्होंने सांसदों को समयबद्ध तरीके से बोलने का अवसर देने, युवा सांसदों को अधिक सक्रिय करने और संसदीय समितियों की भूमिका को मजबूत बनाने पर विशेष ध्यान दिया।

एलपीजी की जगह चूल्हा एक सस्ता विकल्प

संजय गोस्वामी

12 मार्च 2026 की स्थिति के अनुसार, ईरान-इजरायल-अमेरिका के बीच फारस की खाड़ी में गंभीर तनाव और संघर्ष जारी है, जो 12वें दिन में प्रवेश कर चुका है। ईरान द्वारा समर्थित गुटों ने अमेरिकी और खाड़ी देशों के तेल टैंकरों पर हमले किए हैं, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति पर संकट खड़ा हो गया है। युद्ध की स्थिति का सीधा असर होटल मालिकों पर पड़ने वाला है। संभावना है कि कमर्शियल सिलेंडर का स्टॉक खत्म होने पर होटल को जल्द ही बंद करना पड़ सकता है। कमर्शियल सिलेंडर की कमी पूरे देश में एलपीजी का संकट है एलपीजी सप्लाई में रुकावट का असर अब इंडिया इंक पर भी पड़ रहा है, कुछ कंपनियों ने कुकिंग गैस की कमी के कारण कैफेटेरिया और फूड सर्विस पर असर पड़ने की वजह से ऑपरेशनल दिक्कतों की रिपोर्ट दी है। साथ ही, मुंबई, बेंगलुरु और कोलकाता जैसे शहरों में कमर्शियल एलपीजी सप्लाई में रुकावट की खबरें आई हैं, रेस्टोरेंट और खाने की जगहों को सिलेंडर खरीदने में मुश्किल हो रही है और कुछ मामलों में मेन्यू कम कर दिए गए हैं या ऑपरेशन कम कर दिए गए हैं। कई राज्यों में पुलिस ने भी एलपीजी सप्लाई को लेकर अफवाहों के बीच मॉनिटरिंग बढ़ा दी है, और गलत जानकारी, जमाखोरी और सिलेंडर की चोरी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। हालांकि, सरकार का कहना है कि पूरे देश में एलपीजी का कोई संकट नहीं है और सप्लाई को स्थिर करने के लिए रिफाइनरी का आउटपुट लगभग 10% बढ़ा दिया गया है। एलपीजी सप्लाई, सरकार की प्रतिक्रिया और भारतीय शहरों की स्थिति पर लेटेस्ट अपडेट के लिए इस लाइव ब्लॉग को फॉलो करें। एलपीजी सप्लाई की कमी से पूरे भारत में होटल, रेस्टोरेंट पर असर है युद्ध के इस दौर में, गोबर से बनी बायोगैस या गोबर के उपले एलपीजी का एक आत्मनिर्भर और किफायती विकल्प प्रदान करते हैं।चूल्हा एक ऐसा उपकरण है जो स्थानीय ताप या खाना पकाने के लिए उपकरण के अंदर या ऊपर ऊष्मा उत्पन्न करता है। चूल्हे कई प्रकार के ईंधनों से चल सकते हैं, जैसे प्राकृतिक गैस, बिजली, गैसोलीन, लकड़ी और कोयला। चूल्हे के निर्माण के लिए सबसे आम सामग्री कच्चा लोहा, इस्पात और पत्थर हैं। चूल्हे और गोबर के उपले भारतीय ग्रामीण जीवन, संस्कृति और परंपरा के अभिन्न अंग हैं। मिट्टी के चूल्हे और गोबर के उपले न केवल सस्ते और आसानी से उपलब्ध ईंधन हैं, बल्कि आत्मीयता और पवित्रता का भाव भी रखते हैं। आत्मनिर्भरता, सादगी और पर्यावरण मित्रता के प्रतीक के रूप में ग्रामीण जीवन का प्रतिनिधित्व करते हैं। स्वास्थ्य पर प्रभाव: पुराने धुंआ उत्सर्जित करने वाले चूल्हे महिलाओं और बच्चों में श्वसन संबंधी बीमारियों का कारण बन सकते हैं, इसलिए लोग अब धुआं रहित चूल्हों की ओर बढ़ रहे हैं। आत्मनिर्भरता की कहानी: कई परिवार बायोगैस के माध्यम से आत्मनिर्भर हो गए हैं, वे गोबर से 8-10 घंटे तक चूल्हे को जलाते हैं। चूल्हा और गोइठा का संबंध केवल भोजन पकाने से नहीं, बल्कि एक जीवनशैली से है जो हमें प्रकृति के करीब रखती है। यह हमारे पूर्वजों की विरासत और सादगी का प्रतीक है, जिसे आज भी ग्रामीण भारत में संजोकर रखा गया है। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिला में आज भी लोग पुराने और पारंपरिक ईंधनों का उपयोग न सिर्फ अपने दैनिक जीवन में कर रहे हैं, बल्कि परंपराओं के अनुसार धार्मिक और सांस्कृतिक मान्यताओं को भी पूरी श्रद्धा के साथ निभा रहे हैं. होली के पर्व से पहले गांवों में घरों में पाले गए मवेशियों के गोबर से गोईठा बनाया जाता है.मान्यता है कि गोबर शुद्धता और पवित्रता का प्रतीक होता है, यही कारण है कि होली के दिनों में गोईठा की मांग बढ़ जाती है. कई लोग इसे बनाकर बेचते हैं, वहीं जिनके पास गोईठा उपलब्ध नहीं होता, वे गांवों से इसे लाकर होलिका दहन करते हैं. यह परंपरा न केवल धार्मिक आस्था से जुड़ी हुई है, बल्कि ग्रामीण संस्कृति और सदियों पुरानी जीवनशैली की गहराई को भी दर्शाती है. चूल्हा और गोइठा: ग्रामीण जीवन के प्रतीक पारंपरिक संस्कृति: गाँव में मिट्टी के चूल्हे पर बना खाना - विशेषकर रोटी, दाल और बाटी - स्वाद और सौंधी महक के लिए जाना जाता है।

खास बात

चैनलों की टीआरपी पर रोक

पहली बार भारत सरकार ने टेलीविजन मीडिया की गैर जिम्मेदारी को लेकर उनके ऊपर कोई एक्शन लिया है। ईरान- इजरायल युद्ध की कवरेज मे जिस तरह से चेनेलों द्वारा कार्यक्रम के दौरान युद्ध के सायरन बजाए जा रहे थे। उसकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ी प्रतिक्रिया हुई है। चैनल युद्ध को भड़काने वाली बात करते थे। तबीयत से झूठ दिखा रहे थे। पहली बार केंद्र सरकार को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जवाब देना मुश्किल हो रहा था। इस स्थिति को देखते हुए भारत सरकार ने चैनलों को जिम्मेदार बनाने के लिए टीआरपी रोकने के आदेश दिए हैं। जिन चैनलों को फायदा पहुंचाने के लिए खड़ा किया था। वही चैनल अब सरकार और भाजपा को नुकसान पहुंचा रहे हैं। कार्यवाही तो होनी ही थी, जय श्री राम

नेता नहीं, तो एयरोस्पेस कारोबारी बनता

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी केरल के दौरे पर थे। उन्होंने त्रिवेंद्रम में कहा, यदि वह नेता नहीं बने होते, तो निश्चित रूप से एयरोस्पेस के कारोबारी बनते। उनका हमेशा से एंटरप्रेन्योर बनने का सपना था। उनके पिता राजीव गांधी और चाचा संजय गांधी दोनों पायलट थे। हवा में उड़ते थे। वह भी अपना करियर एयरोस्पेस में बनाना चाहते थे। जो सोचते हैं, जो हम युवावस्था में सोचते हैं, वह पूरा नहीं होता है। जो होता है, उसे हम सोच भी नहीं पाते हैं।यही उनके पिता राजीव गांधी के साथ हुआ था। इसी को कहते हैं, होई वही जो राम रचि राखा।

स्टेट बैंक की राजनीतिक दलों को सलाह

स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया ने राजनीतिक दलों को सलाह दी है। वह मुफ्त उपहार और बैंक खाते से नगदी खैरात बांटने से बचें। स्टेट बैंक ने कहा, इससे देश का विकास रुक रहा है। जो काम सरकारों को करना होता है। वह काम अब बैंक और न्यायालयों के जिम्मे डाला जा रहा है। इसी को कहते हैं, पर उपदेश कुशल बहुतेरे बैंक खुद लाखों करोड़ रुपए बड़े-बड़े उद्योगपतियों के बट्टे खाते में डाल रही हैं।उस पर बैंकों ने चुप्पी साध रखी है। केंद्र सरकार खुद कुछ नहीं कहती है। जिसका कोई लेना-देना नहीं होता उससे कहलावती है।

एलपीजी संकट से देशभर में हाहाकार

ईरान पर इजरायल और अमेरिका के संयुक्त हमले के बाद से जारी सैन्य संघर्ष का असर अब भारत के विभिन्न राज्यों में साफ दिखाई दे रहा है। देशभर में रसोई गैस (एलपीजी) की आपूर्ति प्रभावित होने लगी है। कई राज्यों में गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें लग रही हैं और सिलेंडर की कालाबाजारी तथा जमाखोरी की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। बढ़ती एलपीजी किल्लत के विरोध में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने दिल्ली में केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर दिखला दिया है कि अब यह आंदोलन का रुप लेने जा रहा है। विरोध जताने के लिए प्रदर्शनकारी सांकेतिक सिलेंडर, पोस्टर और अपने साथ मिट्टी के चूल्हे लेकर पहुंचे और सरकार से तत्काल आपूर्ति सामान्य करने की मांग की। यही स्थिति अब अन्य राज्यों के प्रमुख शहरों में भी देखने को मिल सकती है, क्योंकि सरकार के दावों के विपरीत एलपीजी संकट देशभर में उभर कर सामने आया है।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, चैत्र कृष्ण पक्ष, शिशिर ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोद्रय पश्चिमे तिथि, एकादशी, शनिवार, उत्तराषाढ़ नक्षत्रे, वल योगे, वव करणे, मकर की चंद्रमा, मीने रवि 50/30 सर्वार्थ सिद्ध योगे तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तम वृत्ति वाला, धनी-मानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, कर्मशील, उद्योगपति, किराना मर्चेन्ट, उत्तम कपड़ा व्यापारी होगा।

मेष राशि- कार्य व्यवसाय में विचलित होंगे, स्त्री शरीर कष्ट, मानसिक बेचैनी बनेगी।

वृष राशि- आकस्मिक बेचैनी, स्वभाव में खिन्नता, थकावट, असमंजस व अस्थिरता की स्थिति बनेगी।

मिथुन राशि- अकारण बेचैनी, शरीर कष्ट, चोट-चपेट व कष्टप्रद स्थिति बनेगी, धैर्य रखें।

कर्क राशि- धन लाभ, आशानुकूल सफलता से लाभ होगा, बिगड़े कार्य बनेंगे ध्यान दें।

सिंह राशि- मन में बेचैनी, धन लाभ, आशानुकूल सफलता से लाभ होगा, समय का ध्यान रखें।

कन्या राशि- अर्थलाभ कुटुम्ब की समस्यायें अवश्य ही सुलझेंगी, स्त्री कार्य से हर्ष होगा।

तुला राशि- विरोधी परेशान करेंगे, प्रतिष्ठा पर आंच आने का भय सावधान रहें, मानसिक तनाव।

वृश्चिक राशि- कार्यवृत्ति में सुधार, प्रगति की ओर बढ़ेंगे, मित्रों के सहयोग से कार्य होंगे।

धनु राशि- अधिकारियों से तनाव व क्लेश, मान-प्रतिष्ठा बाल-बाल बचे, रुके कार्य बनेंगे।

मकर राशि- चिन्तायें कम होंगी, सफलता के साधन जुटायें, कार्य अवश्य ही होंगे।

कुंभ राशि- आर्थिक परेशानी हो सकती है, कार्यवृत्ति में सुधार होगा, समय का ध्यान रखें।

मीन राशि- इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे, आर्थिक योजना पूर्ण होगी, समय पर कार्य करें।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

14 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

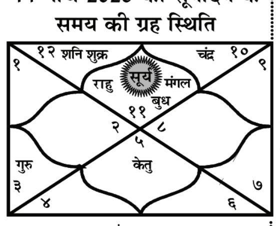

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.16 बजे से
चंद्र	मकर में	मेष	07.47 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	09.27 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	11.25 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	13.38 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	15.54 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	18.06 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	20.17 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	22.32 ब.से
राहुकाल		धनु	00.48 बजे से
9.00 से 10.30		मकर	02.53 बजे से
बजे तक		कुंभ	04.39 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 73 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** दशमी 08.11 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराषाढ़ा 04.49 बजे प्रात: को समाप्त। **योग** वरीयान 10.43 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 08.11 बजे तदनन्तर बव 20.49 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 02° 37' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872648 **जूलियन दिन** 2461113.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रमजान **तारीख** 24 **विशेष** कारादाइयन नौम्बू।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म एक दिन में नजर आयेंगे जुनैद खान और साई पल्लवी

अभिनेता जुनैद खान और साई पल्लवी की आने वाली फिल्म एक दिन की चर्चा जोरों पर है। बुधवार को मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं।

फिल्म के ट्रेलर की शुरुआत में एक फॉर्च्यून बेल, यानी किस्मत की घंटी, दिखाई जाती है। इस घंटी के बारे में जुनैद खान का किरदार बताता है कि दुनिया भर के हारे हुए आशिक इस घंटी को बजाकर अपनी किस्मत आजमाते हैं। इसी दौरान उनकी नजर मीरा पर पड़ती है, जिसका किरदार साई पल्लवी निभा रही हैं। मीरा को देखते ही जुनैद का किरदार उस फॉर्च्यून बेल से एक विश मांगता है कि काश मीरा मेरी हो जाए, चाहे सिर्फ एक दिन के लिए ही सही। इसके बाद ट्रेलर में कहानी आगे बढ़ती है। जुनैद की मांगी हुई यह विश सच हो जाती है। अगले ही सीन में मीरा यानी साई पल्लवी जुनैद के साथ दिखाई देती हैं। दोनों के बीच कई रोमांटिक पल दिखाए जाते हैं। एक सीन में साई पल्लवी जुनैद का जन्मदिन सेलिब्रेट करती नजर आती हैं। वह उन्हें केक पर लगी कैंडल बुझाने से पहले एक विश मांगने के लिए कहती हैं। इस पर जुनैद मुस्कुराते हुए कहते हैं कि उनकी तो विश पहले ही पूरी हो चुकी है।

इस तरह ट्रेलर के बीच में दोनों के बीच पनपते प्यार और उनकी केमिस्ट्री को खूबसूरती से दिखाया गया है। ट्रेलर में दिखाए गए लोकेशन्स फिल्म के रोमांटिक माहौल को और मजबूत बनाते हैं। कभी दोनों साथ घूमते नजर आते हैं, तो कभी खुशियों के छोटे-छोटे पल साझा करते हुए दिखाई देते हैं।

ट्रेलर में यह दिखाने की कोशिश की गई है कि कैसे एक दिन का साथ भी किसी की जिंदगी में बड़ी याद बन सकता है। हालांकि कहानी में सब कुछ इतना आसान नहीं रहता और यहीं से ट्रेलर एक दर्दनाक मोड़ लेता है।

ट्रेलर के आखिरी हिस्से में कहानी अचानक गंभीर मोड़ ले लेती है। एक सीन में साई पल्लवी गुस्से में जुनैद को थप्पड़ मारती हैं और कहती हैं कि मैंने तुम पर भरोसा किया था, लेकिन तुमने... इसके बाद दोनों के बीच की दर्दनाक दूरी को दिखाया जाता है। आखिर दोनों के बीच क्या हुआ, इस पर सस्पेंस बना हुआ है। इस सीन को देखने के बाद दर्शकों के मन में सवाल उठता है कि आखिर उस एक दिन में ऐसा क्या हुआ, जिसने दोनों की जिंदगी बदल दी।

ट्रेलर के आखिर में साई पल्लवी का किरदार कहता है कि यह एक दिन उनकी जिंदगी के लिए हमेशा यादगार रहेगा।

अगर फिल्म के बारे में बात करें तो एक दिन एक रोमांटिक-ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्माण आमिर खान प्रोडक्शन के बैनर तले किया गया है। फिल्म का निर्देशन सुनील पांडे ने किया है। इस फिल्म के जरिए साई पल्लवी पहली बार हिंदी सिनेमा में अपना डेब्यू कर रही हैं।एक दिन 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

बलिया पर फिल्म बनाएंगे सिद्धांत चतुर्वेदी

हाल ही में अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी ने खुलासा किया कि वे अपने करीबी दोस्त और फिल्मकार अभिषेक चौबे के साथ मिलकर एक ऐसी फिल्म पर काम कर रहे हैं, जिसकी कहानी पूरी तरह उनके होमटाउन बलिया पर आधारित होगी। यह फिल्म उनके लिए सिर्फ एक रचनात्मक प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि अपने जीवन, जड़ों और यादों से जुड़ी भावनाओं का सिनेमाई विस्तार है। सिद्धांत चतुर्वेदी ने गली बॉय से बॉलीवुड में धमाकेदार शुरुआत की थी। इस फिल्म में उनके किरदार ने उन्हें तुरंत दर्शकों के बीच एक मजबूत पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने गहराइयाँ, खो गए हम कहाँ और धड़क 2 जैसी फिल्मों में बेहद अलग और लेयर्ड भूमिकाएँ निभाईं, जिसमें उनकी पसंद और अभिनय की गहराई साफ दिखाई दी।

हर फिल्म में कुछ नया करने की उनकी कोशिश ने उन्हें एक ऐसे अभिनेता के रूप में स्थापित किया, जो केवल स्टारडम के पीछे नहीं, बल्कि कहानियों की सच्चाई और भावनात्मक ईमानदारी को प्राथमिकता देते हैं। अब जब वे अपने करियर के एक नए मोड़ पर खड़े हैं, सिद्धांत का झुकाव अपने जीवन की जड़ों की ओर गया है। उन्होंने कहा, 'अभी यह ऑफिशियल नहीं है, लेकिन मुझे लगता है कि यह सही समय है बोलने का। मैं अपनी रूट्स पर वापस लौटना चाहता हूं। मुझे बलिया की कहानी कहनी है, क्योंकि मैंने वहां की ज़िंदगी को जीया है। उन अनुभवों को स्क्रीन पर लाना मेरे लिए बेहद खास होगा।' सिद्धांत ने इस प्रोजेक्ट में अभिषेक चौबे के साथ सहयोग को लेकर भी उत्साह जताया। चौबे अपनी कहानी कहने की अनोखी शैली और यथार्थवादी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, ऐसे में दोनों का यह मिलन दर्शकों के लिए कुछ अलग और दमदार लेकर आने वाला है।

सिद्धांत ने बताया, 'हम एक बलिया-बेस्ड कहानी पर काम कर रहे हैं। यह वाकई कमाल की कहानी है। इस पर बातचीत जारी है और मुझे उम्मीद है कि जल्द ही यह फिल्म सबके सामने आएगी।' एक छोटे शहर के साधारण लड़के से लेकर बॉलीवुड में अपनी जगह बनाने तक सिद्धांत का सफर मेहनत, विश्वास और संघर्ष से भरा रहा है। बलिया की गलियों, वहाँ के लोगों और वहाँ की मिट्टी से उनका गहरा लगाव अब उनके अगले प्रोजेक्ट का आधार बनने जा रहा है। उनके फैंस पहले ही जान चुके हैं कि सिद्धांत हमेशा ऐसे किरदार चुनते हैं जो कहानी की सच्चाई को सामने लाते हैं।

हॉरर-फैंटेसी 'तुम्बाड-2' में नजर आयेंगे नवाजुद्दीन

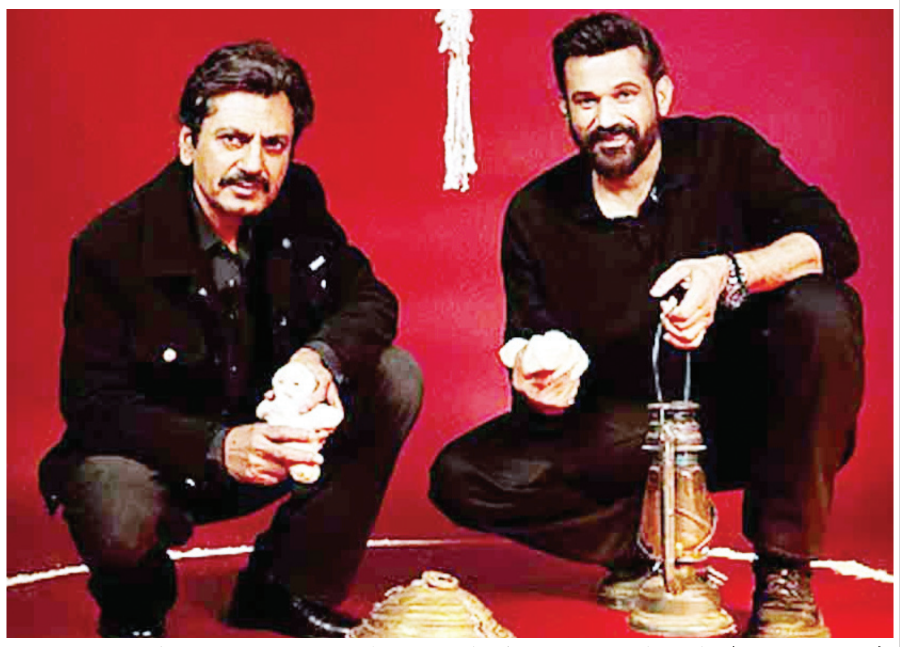

बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी को कल्ट हॉरर-फैंटेसी फिल्म तुम्बाड के दूसरे सीजन में एक महत्वपूर्ण किरदार के लिए शामिल किया गया है। दर्शकों को उम्मीद है कि यह सीक्वल पहले से कहीं अधिक रोमांचक और प्रभावशाली होगा। फिल्म के पहले भाग में विनायक राव की प्रमुख भूमिका निभाने वाले सोहम शाह ने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार फोटो शेयर कर नवाजुद्दीन के जुड़ने की घोषणा की। फोटो में दोनों कलाकार रस्सी के सहारे मस्ती करते नजर आ रहे हैं।

पोस्ट के जरिए सोहम ने लिखा, 'हमें खुशी है कि हमारे समय के सबसे बेहतरीन अभिनेताओं में से एक नवाजुद्दीन सिद्दीकी 'तुम्बाड-2' से जुड़ गए हैं।' इसके बाद सोशल मीडिया पर फैंस की उत्सुकता और भी बढ़ गई है, जो नवाजुद्दीन के किरदार और फिल्म की रिलीज़ डेट को लेकर लगातार सवाल कर रहे हैं।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी, जो अपने गहन और मनोवैज्ञानिक रूप से जटिल किरदारों के लिए जाने जाते हैं, इस फिल्म में भी एक बेहद मजबूत और लेयर्ड भूमिका निभाने वाले हैं। हालांकि उनके किरदार की कहानी अभी सामने नहीं आई है, लेकिन माना जा रहा है कि उनकी उपस्थिति सीक्वल के तनाव, रहस्य और हॉरर को कई गुना बढ़ा देगी। अभिनेता ने भी फिल्म का हिस्सा बनने पर खुशी जताते हुए कहा कि वे लंबे समय से 'तुम्बाड' की मौलिकता और उसके अनोखे माहौल की प्रशंसा करते रहे हैं।

उन्होंने बताया कि जब सोहम शाह ने सीक्वल का विज़न साझा किया, तो कहानी ने उन्हें तुरंत आकर्षित किया और उन्होंने इस सफ़र में शामिल होने का फैसला कर लिया। नवाजुद्दीन ने यह भी कहा कि उनका किरदार कई परतों वाला है, जिसे निभाने के लिए वे बेहद उत्सुक हैं।

फिल्म का निर्माण पेन स्टूडियोज कर रहा है। फिलहाल फिल्म की शूटिंग शुरू नहीं हुई है, लेकिन मेकर्स जल्द ही इसे फ्लोर पर ले जाने की तैयारी कर रहे हैं। उम्मीद है कि तुम्बाड 2 अपने पहले भाग की तुलना में ज्यादा हॉरर, सस्पेंस और चौंकाने वाले मोड़ लेकर आएगी।

अपनी लव स्टोरी को लेकर चर्चाओं में रहते हैं अंकिता कोंवर और मिलिंद सोमन

मॉडल और अभिनेता मिलिंद सोमन और उनकी पत्नी अंकिता कोंवर अक्सर अपनी लव स्टोरी को लेकर चर्चा में रहते हैं। दरअसल, दोनों की उम्र में 26 साल का अंतर है, जिसके चलते शादी के बाद दोनों को काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। अब दोनों की शादी को 13 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर अंकिता ने एक खास पोस्ट के जरिए मिलिंद को सालगिरह की बधाई दी। उन्होंने लिखा, 13 साल पहले, प्यार धीरे-धीरे मेरी जिंदगी में आया और वहीं ठहर गया। उसी प्यार ने मुश्किल वक्तों में, लंबी दूरी में, और उन दिनों में भी मेरा साथ दिया, जब सब कुछ बहुत भारी लगता था। उन्होंने आगे लिखा, तुमने मेरे हर रूप को अपनाया, मेरी ताकत को समझा और कमजोरियों को बहुत प्यार से संभाला। तुम मेरी हर जीत पर खुश हुए और उन चुनौतियों में भी मेरे साथ खड़े रहे, जो नामुमकिन लगती थीं। इन 13 सालों में बहुत सारी हंसी, बातें, तरक्की, माफी मांगना, रोमांच और वो प्यार रहा, जो हर दिन बदलता और मजबूत होता गया। खूबसूरत बात ये है कि आज भी मैं हर रोज इस प्यार के लिए बहुत-बहुत शुक्रगुजार हूं, जो हम दोनों साथ मिलकर जीते हैं। मिलिंद और अंकिता की जोड़ी फिटनेस, एडवेंचर और एक-दूसरे के प्रति गहरे सम्मान के लिए जानी जाती है। वे अक्सर साथ ट्रेकिंग करते हैं, मैराथन दौड़ते हैं और जिंदगी को सकारात्मक तरीके से जीते हैं। मिलिंद सोमन और अंकिता कोंवर ने साल 2018 में शादी की थी उस वक्त मिलिंद की उम्र 52 और अंकिता की उम्र मात्र 26 साल थी। मिलिंद सोमन ने ग्लैमर वर्ल्ड में अपनी शुरुआत मॉडलिंग से ही की थी लेकिन उन्हें पहचान फेमस पॉप सिंगर अलीशा चिनॉय के म्यूजिक वीडियो से ही मिली थी। इसके बाद उन्होंने अभिनय की तरफ भी रुख किया। मिलिंद ने साल 2000 में आई फिल्म तरकीब की थी, जो बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा कमाल नहीं दिखा सकी थी। इसके बाद वो दो साल तक फिल्मों से दूर रहे।

निक्की तंबोली ने रियलिटी शो से बाहर निकलने के बाद रखी अपनी बात

अभिनेत्री निक्की तंबोली रियलिटी शो द 50 से बाहर हो गई हैं। उन्हें डबल एविक्शन में शो से बाहर कर दिया गया। शो से निकलने के बाद निक्की ने सोशल मीडिया के जरिए शो में चल रहे संघर्ष और अपनी हालत के बारे में बात की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक नोट लिखा और अपनी भावनाएं व संघर्ष साझा किए। निक्की ने लिखा, कई लोग कह रहे हैं कि जब अरबाज को शो से निकाला गया, तो मुझे भी शो छोड़ देना चाहिए था, लेकिन शो में आने का मतलब जिम्मेदारी और वादा निभाना होता है। भावनाओं में आकर शो छोड़ना आसान लग सकता है पर कमिटमेंट निभाना असली हिम्मत है। निक्की ने लिखा कि जब मेरे भाई का देहांत हुआ था, तब भी मैं अगले दिन खतरों के खिलाड़ी की शूटिंग के लिए गई थी। उन्होंने लिखा, मेरे लिए कमिटमेंट का मतलब यही होता है। भावनाएं सच्ची होती हैं, लेकिन जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। शो ने मुझे हमेशा सम्मान, महत्व और प्राथमिकता दी। कमिटमेंट सिर्फ भावनाओं का नाम नहीं, बल्कि उस हिम्मत का नाम भी है, जब पता होता है कि बाहर लोग आलोचना करेंगे, कहानियां बनाएंगे, फिर भी आप मजबूत रहते हैं।

निक्की ने बताया कि शो में जाने से पहले वे डेंगू से ठीक होकर आई थीं। इसलिए ठीक से परफॉर्म नहीं कर पा रही थीं। उन्होंने लिखा, कई लोगों ने मेरी परफॉर्मेंस को जज किया, बिना जाने कि मैं डेंगू से ठीक होकर आई थी। शरीर में थकान, कमजोरी और बहुत ज्यादा थकावट थी। छोटी-छोटी चीजें भी भारी लगती थीं, फिर भी मैं हर दिन हिम्मत से शो में गई।उन्होंने कहा कि शो में उनका मुकाबला किसी दूसरे से नहीं बल्कि खुद से था। उन्होंने कहा, मेरा असली मुकाबला किसी से नहीं बल्कि खुद से था।अपनी ताकत, सीमाओं और शरीर की लड़ाई से। सबसे कठिन लड़ाइयां अक्सर दिखाई नहीं देतीं। हर दिन वहां पहुंचना, थकान के बावजूद खड़े रहना और हार न मानना यही मेरी असली चुनौती थी।निक्की ने अपनी बात को खत्म करते हुए लिखा, अगर किसी को मेरी परफॉर्मेंस अच्छी नहीं लगी तो कोई बात नहीं क्योंकि हर दिन मैं वहां जाकर खुद से लड़ रही थी। मेरी असली जीत यही थी कि शरीर हार मानना चाहता था, लेकिन मैं खड़ी रही और आगे बढ़ती रही।

आईसीसी ने टी20 विश्वकप विजेताओं पर की इनामों की बारिश, भारतीय टीम को मिले 24 करोड़

दुबई, एजेंसी। *अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पुरुष टी20 विश्वकप 2026 के लिए इनामी राशि घोषित कर दी है। टूर्नामेंट में कुल 11.25 मिलियन अमेरिकी डॉलर करीब (1 अरब, 39 करोड़, 4 लाख, 43 हजार) की इनामी राशि दी गयी है। इस बार की इनामी राशि पिछली बार से अधिक है। इसमें विजेता भारतीय टीम को 2.63 मिलियन डॉलर करीब 24.3 करोड़ रुपये जबकि उपविजेता न्यूजीलैंड को 26,39,423 अमेरिकी करीब 13 करोड़ की इनामी राशि मिली है। वहीं सेमीफाइनल हारने वाली दक्षिण अफ्रीकी टीम को 10,05,577 डॉलर करीब 9 करोड़ रुपये और इंग्लैंड की टीम को 9,74,423 डॉलर करीब 8 करोड़ रुपये मिले हैं। वहीं सुपरआठ की चार टीमों, वेस्टइंडीज को 5,38,269 डॉलर करीब 4 करोड़ 95 लाख रुपये। वहीं पाकिस्तान 4,91,538 डॉलर करीब 4 करोड़ 80 लाख। जिम्बाब्वे को 4,91,538 डॉलर करीब 4 करोड़ 51 लाखा, श्रीलंका को 475,962 डॉलर करीब 4 करोड़ 37 लाख रुपये मिलेंगे। इस बीच, जो टीमें सुपर 8 स्टेज तक पहुंचीं लेकिन आगे नहीं बढ़ पाईं, जिनमें अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और यूएसए शामिल हैं, उनमें से प्रत्येक टीम को 3,09,808 डॉलर दिए जाएंगे। 2 करोड़ 85 लाख रुपये दिये जाएंगे।*

अबरार पर काव्या मारन ने 2.34 करोड़ की बोली लगाई, बीसीसीआई उपाध्यक्ष बोले हमारा लेनादेना नहीं

भारतीय फ्रेंचाइजी सनराइजर्स लीड्स ने पाक क्रिकेटर खरीदा

लंदन ■ एजेंसी

भारतीय मालिकाना हक वाली फ्रेंचाइजी सनराइजर्स लीड्स ने गुरुवार को पाकिस्तान के मिस्ट्री स्पिनर अबरार अहमद पर बोली लगाई। सनराइजर्स की ष्टश्वह्र काव्या मारन ने खुद उन्हें 1.90 लाख पाउंड (करीब 2.34 करोड़ रुपए) में खरीदा। इसी के साथ अबरार 21 जुलाई से शुरू हो रही द हंड्रेड लीग में किसी भारतीय मालिकाना हक वाली फ्रेंचाइजी से जुड़ने वाले पहले पाकिस्तानी खिलाड़ी बन गए। अबरार को खरीदने पर सोशल मीडिया पर काव्या मारन की आलोचना की जा रही है। इस पर बीसीसीआई के वाइस प्रेसिडेंट राजीव शुक्ला ने कहा- 'हमारे आईपीएल में इस तरह का कुछ नहीं है। हमारा अधिकार क्षेत्र आईपीएल तक आता है। बाहर किस लीग में कौन क्या कर रहा है उसमें हम कैसे दखल दे सकते हैं? ये उनके ऊपर है कि वे क्या करते हैं। आईपीएल में ऐसा कोई खिलाड़ी नहीं है।'

भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण रिश्तों के कारण आईपीएल फ्रेंचाइजियों ने 2009 के बाद से किसी पाकिस्तानी खिलाड़ियों को साइन नहीं किया है। चेन्नई की मीडिया कंपनी सन ग्रुप ने पिछले साल नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स में पहले 49% हिस्सेदारी ईसीबी से और बाकी 51% यॉर्कशायर काउंटी क्लब से करीब 10 करोड़ पाउंड में खरीदी थी। इसके बाद टीम का नाम बदलकर सनराइजर्स लीड्स रखा गया। सन ग्रुप आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद और SA20 में सनराइजर्स ईस्टर्न केप की भी मालिक है, लेकिन इन टीमों में अभी कोई पाकिस्तानी खिलाड़ी नहीं है।

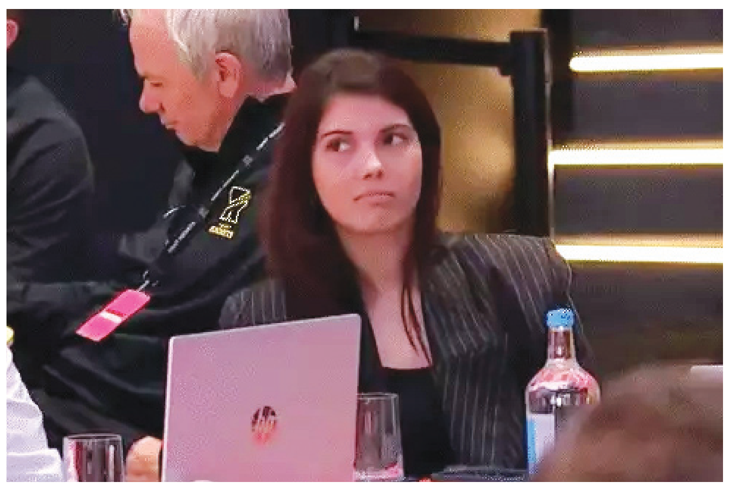

उस्तान तारिक 1.72 करोड़ रुपए में बिके: इस नीलामी में बिकने वाले दूसरे पाकिस्तानी खिलाड़ी मिस्ट्री स्पिनर उस्मान तारिक रहे, जिन्हें बर्मिंघम फीनिक्स ने 1.40 लाख पाउंड (लगभग 1.72 करोड़ रुपए) में खरीदा। हालांकि, पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ और ऑफ स्पिन ऑलराउंडर सैम अयूब अनसोल्ड रहे।

पाकिस्तान ने भारत से मैच का बॉयकॉट किया था: पाकिस्तानी सरकार ने टी-20 वर्ल्ड कप में भारत से मैच का बॉयकॉट कर दिया था। हालांकि, श्रीलंकाई राष्ट्रपति के हस्तक्षेप के बाद पाकिस्तानी सरकार ने भारत से मैच के लिए मंजूरी दी थी। कोलंबो में 15 फरवरी को खेले गए इस मैच में भारतीय टीम ने 61 रनों के अंतर से जीता था।

बांग्लादेश के मुस्तफिजुर रहमान पर विवाद हुआ था

आईपीएल की फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स ने 16 दिसंबर 2025 को अबू धाबी में आईपीएल 2026 के मिनी ऑक्शन में बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को 9.20 करोड़ रुपए में खरीदा था। इसके बाद बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्याओं के कारण भारत में इसका विरोध होने लगा। इस पर बीसीसीआई के कहने पर ऋत्रक्रने रहमान को रिलीज कर दिया है। इससे नाराज बांग्लादेशी सरकार ने अपने देश में आईपीएल के प्रसारण पर रोक लगा दी थी। इतना ही नहीं, बांग्लादेश ने भारत में टी-20 वर्ल्ड कप खेलने से इनकार कर दिया था। ऐसे में आईसीसी ने बांग्लादेश को टी-20 वर्ल्ड कप से ही बाहर कर दिया गया था। बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को टी-20 वर्ल्ड कप में शामिल किया गया था।

राष्ट्रीय टेबल टेनिस स्पर्धा के लिए मध्य प्रदेश की टीमें घोषित, खिलाड़ियों में उत्साह

इंदौर, निप्र। टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में मध्य प्रदेश टेबल टेनिस संगठन द्वारा आयोजित यूटीटी सीनियर नेशनल एवं अंतर-राज्यीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप का आगाज़ 14 मार्च से इंदौर के ऐतिहासिक अभय प्रशाल में होने जा रहा है। 43 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद शहर को मिली इस राष्ट्रीय मेजबानी को लेकर खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में भारी उत्साह है। इस चैंपियनशिप में 34 राज्यों के लगभग 550 से अध?िक खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे और 20 लाख रुपये की इनामी राशि के लिए जोर आजमाइश करेंगे। मध्य प्रदेश टेबल टेनिस संगठन की चयन समिति के अध्यक्ष ओम सोनी की अध्यक्षता में जयेश आचार्य, प्रमोद सोनी, रिंकू आचार्य और प्रमोद गंगराड़े की समिति ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन का गहन आकलन किया। चयन का आधार हाल ही में संपन्न हुई तीन राज्य रैंकिंग स्पर्धाएं और राज्य चैंपियनशिप रही है। मध्य प्रदेश की घोषित टीमें : पुरुष टीम : सौम्यदीप सरकार, शिवम सोलंकी (दोनों भोपाल), अनुज सोनी, प्रथम बाथम और पंकज विश्वकर्मा (तीनों इंदौर)। महिला टीम : मोमिता पाल, परिधि नागदेव (दोनों भोपाल), हिमानी चतुर्वेदी (ग्वालियर), भव्या राव और पूजा शर्मा (दोनों इंदौर)। टीम को मजबूती देने के लिए अजय राजपूत को प्रबंधक नियुक्त किया गया है, जबकि कलीम खान और साबिर अली को प्रशिक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने के लिए अभय प्रशाल में एक विशेष समारोह आयोजित किया गया।

2020 के मुकाबले भागीदारी दोगुनी, 15-24 उम्र की 16% लड़कियां खेल रहीं

भारतीय महिलाओं में क्रिकेट का क्रेज बढ़ा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत में महिलाओं के बीच क्रिकेट खेलने की संख्या तेजी से बढ़ी है। एक नए सर्वे के मुताबिक 2020 के बाद से 14 राज्यों में महिलाओं की भागीदारी दोगुनी हो गई है। बीबीसी और कलेक्टिव न्यूजरूम की ओर से कराए गए इस सर्वे में 10 हजार से ज्यादा महिलाओं को शामिल किया गया। इसमें पाया गया कि 2020 में जहां सिर्फ 5% महिलाओं ने क्रिकेट खेलने की बात कही थी, अब यह आंकड़ा बढ़कर 10% हो गया है।

क्रिकेट को करियर चुन रहीं: युवा महिलाओं में बढ़ोतरी और तेज है। 15 से 24 साल की 16% लड़कियां क्रिकेट खेलती हैं, जबकि 2020 में यह आंकड़ा 6% था। इसी उम्र वर्ग की हर चार में से एक लड़की ने खेल को करियर विकल्प के रूप में सोचने की बात भी कही है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने प्रभाव छोड़ा: रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय महिला क्रिकेट टीम की हाल की सफलताओं का भी असर दिख रहा है। टीम ने हाल ही में अपना पहला वनडे वर्ल्ड कप जीता और ऑस्ट्रेलिया को तीन मैच की टी-20 सीरीज में हराया।

सर्वे में यह भी सामने आया कि महिलाओं के बीच क्रिकेट अब पारंपरिक खेल कबड्डी से काफी आगे निकल गया है। 2020 में दोनों खेलों के बीच अंतर कम था, लेकिन अब क्रिकेट आगे है।

यूपी में 10% महिलाएं क्रिकेट खेल रहीं: ज्यादातर राज्यों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। उत्तर प्रदेश में तो यह आंकड़ा 1% से बढ़कर 10% तक पहुंच गया है। साथ ही पुरुष और महिला खिलाड़ियों के बीच का अंतर भी कम हुआ है। अब हर एक महिला खिलाड़ी पर तीन पुरुष खिलाड़ी हैं, जबकि 2020 में यह अनुपात एक के मुकाबले पांच था। करियर के रूप में खेल को देखने वाली 15-24 उम्र की 26% लड़कियां हैं, जो 2020 में 16% थीं। तमिलनाडु में यह आंकड़ा 27%, मध्य प्रदेश और मेघालय में 19-19% दर्ज किया गया।

पंजाब में बैडमिंटन में महिलाएं आगे: सर्वे में यह भी बताया गया कि बैडमिंटन में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है, खासकर पंजाब, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में। हालांकि रिपोर्ट में कहा गया है कि सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं अब भी एक बड़ी बाधा हैं। जो महिलाएं कोई खेल नहीं खेलतीं, उनमें से 13% ने सुरक्षा को वजह बताया।

भारतीय विमेंस ने पहली बार वर्ल्ड कप जीता: भारत ने 2 नवंबर को साउथ अफ्रीका को 52 रन से हराते हुए विमेंस वर्ल्डकप में अपना पहला टाइटल जीता था। पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने वालीं दीप्ति शर्मा को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया था।

बीसीसीआई ने आईपीएल टीमों के प्रैक्टिस सेशन को लेकर नई गाइडलाइन जारी की हैं। इसके अनुसार कोई भी टीम उस नेट या पिच पर प्रैक्टिस नहीं कर सकेगी, जिस पर दूसरी टीम पहले अभ्यास कर चुकी हो। हर टीम को अभ्यास के लिए अलग और नए नेट उपलब्ध कराए जाएंगे।

एलएन यूनिवर्स स्पोर्ट्स फैस्ट में बटे ढेरों पुरस्कार विजेताओं को मिली ट्रॉफी मेडल

भोपाल ■ निसं

एलएन यूनिवर्स स्पोर्ट्स फैस्ट जो कि पिछले 15 दिनों से एलएनसीटी विश्वविद्यालय में चल रहा था उसका पुरस्कार वितरण समारोह आज सीएमई हाल में संपन्न हुआ डॉ अनुपम चौकसे कुलाधिपति जेएनसीटी प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, डॉ धर्मेंद्र गुप्ता एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एलएनसीटी यूनिवर्सिटी, डॉ अजीत कुमार सोनी रजिस्ट्रार, ए के सिंघई, डॉ विवेक श्रीवास्तव, डॉ तोषी व्यास, डॉ मुकेश साहू एवं पंकज कुमार जैन, डॉ पी एस दारा ने पुरस्कार बांटे शतरंज पुरुष वर्ग में चिराग दुबे फार्मेसी प्रथम सार्थक बावरिया स्कूल आफ लीगल स्टडी द्वितीय रहे महिला वर्ग में अनुष्का पाठक एलएन आयुर्वेद प्रथम, खुशबू युवराज चौधरी एलएन पैरामेडिकल द्वितीय रही

कैरम में पुरुष वर्ग में हर्ष द्विवेदी स्कूल आफ फार्मेसी प्रथम, दक्ष शिंदे स्कूल का लीगल स्टडी द्वितीय रहे वहीं महिला वर्ग में जेसिका दांगी आयुर्वेद प्रथम, प्रेरणा शुक्ला एल एन नर्सिंग द्वितीय रही टेबल टेनिस पुरुष वर्ग में स्कूल आफ फिजिकल एजुकेशन प्रथम रहा स्कूल आफ लीगल स्टडी द्वितीय स्थान पर रहा बैडमिंटन पुरुष वर्ग में स्कूल आफ फिजिकल एजुकेशन प्रथम एवं एलएन मेडिकल कॉलेज द्वितीय स्थान पर रहा वहीं महिला वर्ग में जेके पैरामेडिकल प्रथम स्थान पर स्कूल आफ आयुर्वेद दूसरे स्थान पर रहा वॉलीबॉल के मुकाबले में स्कूल आफ लीगल स्टडी प्रथम स्कूल आफ फिजिकल एजुकेशन महिला वर्ग में आयुर्वेद प्रथम स्कूल आफ फिजिकल एजुकेशन द्वितीय रहा रस्सा कसी के मुकाबले में आयुर्वेद कॉलेज ने महिला एवं पुरुष दोनों ही वर्गों में प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि जेके पैरामेडिकल और महिला वर्ग में एलएन पैरामेडिकल द्वितीय स्थान पर रहा क्रिकेट में पिछले वर्ष की विजेता स्कूल आफ लीगल स्टडी प्रथम स्थान पर और स्कूल आफ फिजिकल एजुकेशन द्वितीय स्थान पर रहा महिला वर्ग में स्कूल आफ फिजिकल एजुकेशन प्रथम स्थान पर और एलएन नर्सिंग द्वितीय स्थान पर रहा फूटसल में स्कूल आफ फिजिकल एजुकेशन पुरुष एवं महिला दोनों में चैंपियन रहा जबकि आयुर्वेद पुरुष वर्ग में और जेके पैरामेडिकल महिला वर्ग में द्वितीय स्थान पर रहा टूर्नामेंट कोऑर्डिनेटर पंकज कुमार जैन ने बताया कि प्रतिवर्ष विश्वविद्यालय का स्पोर्ट्स फैस्ट एलएन यूनिवर्स कराया जाता है।

व्यापार समाचार

वैश्विक चुनौतियों से निपटने की तैयारी: सीतारमण बोलीं

सरकार ने बनाया एक लाख करोड़ का आर्थिक स्थिरीकरण फंड

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि सरकार ने एक लाख करोड़ रुपये का आर्थिक स्थिरीकरण कोष बनाया, जो भारत को वैश्विक चुनौतियों से पैदा होने वाले आर्थिक झटकों से निपटने में मदद करेगा। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में 2.81 लाख करोड़ रुपये अतिरिक्त खर्च के लिए लोकसभा से अनुमति मांगी है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि एक लाख करोड़ रुपये का आर्थिक स्थिरीकरण कोष (इकोनॉमिक स्टेबलाइजेशन फंड) सरकार को वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए अतिरिक्त वित्तीय मदद देगा। लोकसभा में पूरक अनुदान मांगों पर चर्चा का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि यह फंड पश्चिम एशिया जैसी जगहों पर अचानक पैदा होने वाली समस्याओं से अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले झटकों को संभालने में मदद करेगा।

उन्होंने कहा, एक लाख करोड़ रुपये का आर्थिक स्थिरीकरण फंड भारत को वैश्विक परिस्थितियों से पैदा होने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए वित्तीय गुंजाइश देगा। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में 2.81 लाख करोड़ रुपये अतिरिक्त खर्च करने की अनुमति लोकसभा से मांगी है। लेकिन सरकार को 80 हजार करोड़ रुपये अतिरिक्त आय भी मिलने की उम्मीद है। इसलिए इन दोनों को मिलाने के बाद सरकार को वास्तव में 2.01 लाख करोड़ रुपये ही अतिरिक्त खर्च करने पड़ेंगे।

सीतारमण ने कहा कि चालू वित्त वर्ष (2025-26) में राजकोषीय घाटा संशोधित अनुमान (आरई) के भीतर ही रहेगा। 2025-26 के संशोधित अनुमान में राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.4 फीसदी आंका गया है, जो 2025-26 के बजट अनुमान के बराबर है।

सीतारमण ने कहा कि दूसरी पूरक मांगों के कारण 2025-26 के बजट अनुमान से अधिक खर्च नहीं बढ़ा है। इस दौरान विपक्ष के सदस्य एलपीजी की कमी के मुद्दे पर लगातार नारेबाजी करते रहे। चालू वित्त वर्ष के संशोधित अनुमान में सरकार ने कुल खर्च को 50.65 लाख करोड़ रुपये के बजट अनुमान से घटाकर 49.65 लाख करोड़ रुपये कर दिया था।

लेखा महानियंत्रक (सीजीए) के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी तक सरकार 36.90 लाख करोड़ रुपये खर्च कर चुकी थी। सरकार ने पूरक अनुदान मांगों में एक लाख करोड़ रुपये का आर्थिक स्थिरीकरण फंड बनाने का प्रस्ताव रखा है। इसके अलावा, उर्वरक सब्सिडी के लिए 19,230 करोड़ रुपये और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के लिए 23,641 करोड़ रुपये अतिरिक्त खर्च की मंजूरी मांगी गई है। इसके साथ ही रक्षा मंत्रालय के लिए 41,822 करोड़ रुपये अतिरिक्त खर्च का भी प्रस्ताव रखा गया है। सीतारमण ने कहा कि किसानों के लिए उर्वरकों की कोई कमी नहीं होगी और अनुदानों की पूरक मांगों में इसके लिए पर्याप्त प्रावधान किया गया है।

जॉन डियर पावर एंड टेक्नोलॉजी ने भारत में 5एम सीरीज का 5130रू ट्रैक्टर पेश किया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

डियर एंड कंपनी कृषि, निर्माण और वानिकी क्षेत्रों में एक वैश्विक टेक्नोलॉजी लीडर है, जो अपने ग्राहकों, चैनल भागीदारों, आपूर्तिकर्ताओं और कर्मचारियों की सफलता के लिए प्रतिबद्ध है। जॉन डियर लगातार एक टेक्नोलॉजी कंपनी के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत कर रहा है और दुनिया के कई हिस्सों में इन क्षेत्रों में परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

भारत में पिछले 27 वर्षों से अधिक समय से जॉन डियर खेती-किसानी के लिए तकनीकी रूप से उन्नत समाधान प्रदान करता आ रहा है। इन समाधानों का उद्देश्य खेती की उत्पादकता बढ़ाना है, साथ ही मिट्टी के स्वास्थ्य की रक्षा, जल संरक्षण और पर्यावरण संतुलन जैसे टिकाऊ खेती के महत्वपूर्ण पहलुओं को भी मजबूत करना है।

जॉन डियर इंडिया के एमडी और कंट्री मैनेजर और सीएंडएफ वर्ल्डवाइड प्रेसिडेंट के स्ट्रैटेजिक एडवाइजर राजेश सिन्हा ने कहा, 'जॉन डियर की रणनीति का मुख्य आधार सटीक खेती और स्मार्ट कनेक्टेड मशीनों के लिए डिजिटल समाधानों का एकीकरण है, जिससे किसान कम संसाधनों में अधिक उत्पादन कर सकें। हाल ही में पेश की गई तकनीकें खेतों के कामकाज को बेहतर बनाने और लागत को कम करने के साथ-साथ मिट्टी और पर्यावरण की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विकसित की गई हैं।' उन्होंने आगे कहा कि भारत में जॉन डियर की उपस्थिति काफी व्यापक है और यह आरएंडडी, इंजीनियरिंग, ग्लोबल आईटी, सप्लाई चेन, सड़क निर्माण और मैन्युफैक्चरिंग सहित कई क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

इस अवसर पर रमाकांत गर्ग, सेल्स एवं मार्केटिंग इंडिया डायरेक्टर ने कहा, 'उन्नत कृषि तकनीक और बदलती कृषि पद्धतियाँ एक-दूसरे के साथ चलती हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए जॉन डियर भविष्य की कृषि आवश्यकताओं के अनुरूप इन दोनों को एक साथ लाने के लिए प्रतिबद्ध है।' 'पावर एंड टेक्नोलॉजी 7.0' इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस पहल के तहत कई नई तकनीकें और समाधान पेश किए गए हैं, जिनमें प्रमुख रूप से शामिल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जॉन डियर पहले भी भारतीय बाजार के लिए तकनीकी रूप से उन्नत उत्पाद पेश करता रहा है और आज के इस टेक्नोलॉजी कार्यक्रम में भी कंपनी इसी परंपरा को आगे बढ़ा रही है।

माइक्रोफाइनेंस कंपनियां तेजी से बदल रहीं पोर्टफोलियो

नई दिल्ली। सूक्ष्म वित्त संस्थान (एमएफआईएस) बाहरी दबावों के कारण मुख्य रूप से परिसंपत्ति गुणवत्ता से जुड़ी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि सामाजिक-राजनीतिक माहौल और राज्यों के कड़े नियम जैसे पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, बिहार, असम और कर्नाटक में जबरन वसूली पर रोक ने इन संस्थानों को अपनी रणनीतियों में बदलाव के लिए प्रेरित किया है। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा कुल परिसंपत्तियों पर 60 प्रतिशत तक पात्रता मानदंड में ढील देने के बाद, सूक्ष्म वित्त संस्थान अब सुरक्षित ऋण उत्पादों पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। इन उत्पादों में स्वर्ण ऋण, गृह सुधार ऋण, वाहन ऋण और संपत्ति के बदले ऋण शामिल हैं। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के आंकड़ों के अनुसार क्रेडिट एक्सेस ग्रामीण, सैटिन क्रेडिटकेयर, स्पंदना स्फूर्ति जैसी संस्थाओं ने अपने पारंपरिक सूक्ष्म ऋणों में कमी की है। यह कदम जोखिम कम करने और नए क्षेत्रों में विस्तार करने की दिशा में एक रणनीतिक बदलाव को दर्शाता है।

राजस्थान खान विभाग का मार्च में 1,500 करोड़ राजस्व संग्रह का लक्ष्य

जयपुर। राजस्थान के खान विभाग ने मार्च महीने के लिए 1,500 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व संग्रह लक्ष्य निर्धारित किया। विभाग के प्रमुख सचिव टी. रविकांत ने समीक्षा बैठक लेकर फील्ड अधिकारियों को लक्ष्यों की शत-प्रतिशत प्राप्ति का निर्देश दिया। 10 मार्च तक विभाग ने 9,135 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व संग्रह किया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि से 936 करोड़ रुपये अधिक है। दिसंबर, जनवरी और फरवरी में भी संग्रह में बेहतर वृद्धि रही। फरवरी में 1,060 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड संग्रह हुआ। रविकांत ने बताया कि आगामी दिनों के लिए खाका तैयार कर सभी फील्ड अधिकारियों के साथ साझा कर दिया गया है। परिवहन विभाग द्वारा खनिज वाहनों की जांच पर तुरंत सूचना मिलने की व्यवस्था की जाएगी, ताकि वाहनों के पास वैध परमिट और अनुमत मात्रा सुनिश्चित की जा सके।

केरल में एलपीजी संकट से रेस्तरां और कैटरिंग सेवाएं ठप

कोच्चि। केरल में पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण एलपीजी की कमी ने खाने-पीने के उद्योग को प्रभावित किया है। केरल होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के अनुसार, राज्य में लगभग 40 फीसदी रेस्तरां बंद होने की स्थिति बन रही है। शहरी क्षेत्रों के होटल और रेस्तरां सबसे अधिक प्रभावित हैं, क्योंकि वहां लकड़ी या अन्य ईंधन से खाना बनाना व्यावहारिक नहीं है। प्राइवेट एलपीजी सिलेंडरों की कीमतें दोगुनी तक पहुंच गई हैं।

सरकार ने वैकल्पिक उपाय किए लागू

एलपीजी की कमी से घरों में फिर लौट आया केरोसिन

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच तनाव ने वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति प्रभावित की है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक देश है और अपनी जरूरत का लगभग 88 प्रतिशत विदेशों से खरीदता है। होर्मुज जलडमरूमध्य से सप्लाई बाधित होने के कारण घरेलू एलपीजी की उपलब्धता पर असर पड़ा। पेट्रोलियम कंपनियों ने घरेलू उपयोग को प्राथमिकता दी, जिससे होटल, रेस्तरां और अन्य वाणिज्यिक उपभोक्ताओं के लिए गैस की आपूर्ति कम हो गई।

सरकार ने गैस की कमी को पूरा करने के लिए वैकल्पिक ईंधनों का इस्तेमाल बढ़ाया। होटल और रेस्तरां को कोयला और बायोमास जलाने की अस्थायी छूट मिली, जबकि घरेलू उपयोग के लिए केरोसिन का अतिरिक्त कोटा जारी किया गया। राज्यों को नियमित कोटे के ऊपर 48,000 किलोलीटर मिट्टी का तेल दिया गया। एलपीजी की कमी की अफवाहों के कारण बुकिंग में उछाल आया। इसे रोकने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में सब्सिडी वाले सिलेंडर की अगली बुकिंग अवधि 21 दिन से बढ़ाकर 45 दिन की गई, जबकि शहरी क्षेत्रों के लिए यह सीमा 25 दिन रखी गई। वर्तमान में देश में एलपीजी की डिलीवरी का औसत समय 2.5 दिन है और घरेलू उत्पादन में लगभग 28 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

केरोसिन कभी हर घर में उपयोग होता था, लेकिन 2013-14 से 2022-23 के बीच इसके उपयोग में सालाना 26 प्रतिशत गिरावट आई। बिजली, सोलर पैनल, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना और स्वच्छ ऊर्जा नीति इसके मुख्य कारण रहे। दिल्ली 2014 में केरोसिन-मुक्त शहर घोषित हुआ। मार्च 2026 में केरोसिन की कीमतें 46-90 रुपये प्रति लीटर रही, औद्योगिक ग्रेड की कीमत प्राय: अधिक है।

केनस्टार लाया भारत के पहले 5-स्टार बीईई रेटेड एयर कूलर, अब मिलेगी कम बिजली में दमदार कूलिंग

गुरूग्राम ■ एजेंसी

केनस्टार, जो पिछले 30 सालों से भारत के भरोसेमंद होम अप्लायंस ब्रांड्स में से एक है, ने बिजली की बचत और कूलिंग के मामले में नया रिकॉर्ड बनाया है। कंपनी ने भारत के पहले 5-स्टार बीईई रेटेड एयर कूलर लॉन्च किए हैं, जिन पर 5 साल की पक्की वारंटी दी जा रही है। इस नई शुरुआत के साथ केनस्टार ऐसा पहला ब्रांड बन गया है जो सर्टिफाइड बिजली बचत को लंबी वारंटी के भरोसे के साथ जोड़ रहा है। इससे ग्राहकों को कम बिजली बिल, दमदार परफॉरमेंस और लंबे समय तक चलने वाली कूलिंग का फायदा मिलेगा।

लॉन्च के साथ ही केनस्टार ने एक खास कैंपेन भी शुरू किया है, जिसमें बॉलीवुड स्टार राजकुमार राव और पत्रलेखा नज़र आ रहे हैं। इस कैंपेन के जरिए 'भारत का पहला 5-स्टार और 5 साल की वारंटी' का मैसेज बहुत ही आसान और दिलचस्प तरीके से लोगों तक पहुँचाया जा रहा है। केनस्टार के 50 से ज्यादा एयर कूलर मॉडल्स घरों से लेकर दुकानों और ऑफिसों तक, हर जगह के लिए फिट हैं। कंपनी का वादा साफ है-हर जगह के लिए सही कूलिंग, वो भी बिजली की बचत और परफॉरमेंस से समझौता किए बिना। इन कूलरों में तकनीक है जो कम बिजली में ज्यादा हवा देती है। क्वाड्रा फ्लो तकनीक हवा को चारों तरफ फैलाती है, जबकि हाइड्रो डेंस मेश हनीकॉम्ब कूलिंग पैड्स ठंडी और ताजी हवा देते हैं। साथ ही, इसकी मजबूत डबल बॉल बेयरिंग मोटर लंबे समय तक बिना रुके काम करती है।

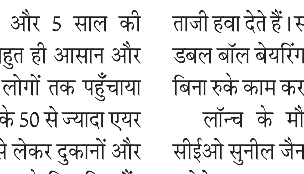

लॉन्च के मौके पर केनस्टार के सीईओ सुनील जैन ने कहा, 'हमारे लिए इनोवेशन का मतलब सिर्फ तकनीक नहीं, बल्कि लोगों की जिंदगी को आसान बनाना है। हमारी नई रेंज में बेहतरीन परफॉरमेंस, बिजली की सबसे ज्यादा बचत और लंबे समय का भरोसा-सब एक साथ मिलता है। यह लॉन्च दिखाता है कि हम भारतीय घरों को सही मायनों में उच?च गुणवत?ता और वैल्यू देना चाहते हैं।' यह कैंपेन केनस्टार को एक ऐसे ब्रांड के रूप में और मजबूत बनाता है, जिस पर करोड़ों लोग भरोसा करते हैं। आसान कहानियों के जरिए कंपनी अपने बिजली बचाने वाले कूलिंग के वादे को सीधे लोगों तक पहुँचा रही है। केनस्टार के ब्रांड एंबेसडर राजकुमार राव ने कहा, 'केनस्टार हमेशा से भरोसे का नाम रहा है। यह रेंज सिर्फ एक विज्ञापन नहीं, बल्कि एक वादा है जो बिजली की बचत और लंबे समय तक चलने वाले भरोसे के जरिए भारतीय परिवारों को असली फायदा पहुँचाता है।' अभिनेत्री और ब्रांड एंबेसडर पत्रलेखा ने कहा, 'केनस्टार की सबसे अच्छी बात वो भरोसा है।

संक्षिप्त समाचार

वाराणसी स्टेशन पर 3.54 करोड़ का सोना बरामद, दो गिरफ्तार

वाराणसी। वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन पर राजधानी एक्सप्रेस से जीआरपी थाना के पुलिसकर्मियों ने दो किलो से अधिक सोना बरामद किया है। यह सोना अफ्रीका से बांग्लादेश होते हुए भारत पहुंचा था। इस मामले में जीआरपी ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। जीआरपी कैंट थाना के निरीक्षक राजोल नागर ने बताया कि महाराष्ट्र के सातार के निवासी बालासो व पूना निवासी तेजस को कैंट रेलवे स्टेशन से जीआरपी पुलिस ने राजधानी एक्सप्रेस से पकड़ा है। यह दोनों शातिर किस्म के हैं और अक्सर इस तरह की घटनाओं में लिप्त पाए जाते हैं। उन्होंने बताया कि दोनों युवकों के पास से दो किलो से अधिक सोने के बिस्किट बरामद किये गए। बरामद सोने की कीमत करीब 3.54 करोड़ के करीब बताई जा रही है। इनके पास से बरामद सोना विशेष रूप से अफ्रीकी सोना है। पूछताछ में पता चला कि दोनों अफ्रीका से बांग्लादेश के रास्ते सोना लेकर भारत पहुंचे थे। जीआरपी पुलिस दोनों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

नेपाल-भारत के बीच बिजली की खरीद और बिक्री की नई दरें लागू होंगी, बनी सहमति

काठमांडू। भारत के बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों से एक साल तक नेपाल को बिजली आयात करने और उसकी नई दर लागू करने पर सहमति बनी है। नेपाल विद्युत प्राधिकरण के अनुसार पोखरा में 12 और 13 मार्च को हुई एक बैठक में आगामी एक वर्ष के लिए बिजली खरीद दर निर्धारित की गई। बैठक में नेपाल विद्युत प्राधिकरण के कार्यकारी निदेशक हितेंद्र देव शाक्य और भारत की ओर से सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी ऑथोरिटी के बोर्ड सदस्य विजय कुमार सिंह ने प्रतिनिधित्व किया। वार्ता के दौरान भारत की ओर से बिजली उत्पादन और आपूर्ति से जुड़ी लागत में वृद्धि का हवाला देते हुए बिजली खरीद दर में 5.5 प्रतिशत बढ़ोतरी का प्रस्ताव रखा गया। नेपाल की ओर से भारतीय बिजली बाजार के अध्ययन और उपलब्ध बाजार सूचकांकों के आधार पर यह तर्क दिया गया कि वर्तमान बाजार दर अपेक्षाकृत कम है, इसलिए दर बढ़ाने की आवश्यकता नहीं है। प्राधिकरण के कार्यकारी निदेशक शाक्य ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच विस्तृत चर्चा के बाद पिछले वर्ष निर्धारित दर में केवल 1.5 प्रतिशत वृद्धि करने पर सहमति बनी, जो कि पिछले वर्ष की वृद्धि दर के समान है। उन्होंने कहा कि चालू वर्ष के लिए 132 केवी प्रसारण लाइन के माध्यम से खरीदी जाने वाली बिजली की दर प्रति यूनिट 8.22 रुपये, 33 केवी स्तर पर प्रति यूनिट 8.91 रुपये तथा 11 केवी स्तर पर प्रति यूनिट 9.55 रुपये तय की गई है।

चीन की रेडक्रॉस सोसाइटी ईरान की आईआरसीएस को 2 लाख डॉलर की मदद देगी

बीजिंग/मॉस्को। ईरान के साथ अमेरिका-इजराइल के सैन्य टकराव के बीच चीन की रेडक्रॉस सोसाइटी ने ईरान की रेड क्रिसेंट सोसाइटी (आईआरसीएस) को आपातकालीन मानवीय सहायता के तौर पर 2,00,000 अमेरिकी डॉलर देने की घोषणा की है। चीन ने ईरान के एक प्राइमरी स्कूल पर हाल ही में हुए हमले में छात्रों की मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उधर, रूस की तरफ से राष्ट्रपति के आदेश पर अजरबैजान के रास्ते भेजी गई 13 टन मानवीय सहायता ईरान के अधिकारियों को सौंपी जाएगी। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने चीनी विदेश मंत्रालय के हवाले से बताया कि मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने शुक्रवार को कहा कि चीन ने ईरान के एक प्राथमिक स्कूल पर हमले में छात्रों की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त की है। प्रवक्ता ने कहा कि चीन की रेडक्रॉस सोसाइटी ने ईरान की रेड क्रिसेंट सोसाइटी को आपातकालीन मानवीय सहायता के तौर पर 200,000 अमेरिकी डॉलर देने का फैसला किया है। तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनादोलु (एए) ने रूस के आपातकालीन मंत्रालय के हवाले से गुरुवार को बताया था कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आदेश पर अजरबैजान के रास्ते ईरान को 13 टन मानवीय सहायता भेज गई है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने प्रशिक्षु अधिकारियों से चुनावी प्रक्रिया को मजबूत बनाने पर दिया जोर

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने शुक्रवार को यहां इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट (आईआईआईडीईएम) में भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) और रॉयल भूटान सेवा (आरबीएस) के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित किया। ज्ञानेश कुमार ने सार्वजनिक सेवाओं में नवाचार के महत्व और लोकतांत्रिक एवं चुनावी प्रक्रिया को और मजबूत करने पर जोर दिया। उल्लेखनीय है कि आईआईआईडीईएम चुनाव आयोग का प्रमुख प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान है जो न केवल भारतीय अधिकारियों बल्कि मित्र देशों के चुनावी अधिकारियों को भी प्रशिक्षित करता है।

खाड़ी क्षेत्र में तनाव के बीच भारतीयों की वापसी, बेंगलुरु उतरी एतिहाद की फ्लाइट

नई दिल्ली ■ एजेंसी

मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष के बीच अबू धाबी से बेंगलुरु आ रही एतिहाद एयरवेज की उड़ान ईवाई-262 शनिवार को केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित रूप से उतर गई। फ्लाइट में आए भारतीय नागरिकों ने बताया कि क्षेत्र में तनाव के बावजूद संयुक्त अरब अमीरात में हालात फिलहाल सामान्य बने हुए हैं। हालांकि उन्होंने आशंका जताई कि यदि संघर्ष लंबा खिंचता है तो इसका असर वहां काम कर रहे भारतीय कामगारों पर पड़ सकता है।

अबू धाबी से लौटे यात्रियों ने बताया कि कुवैत और बहरीन की तुलना में संयुक्त अरब अमीरात में स्थिति अपेक्षाकृत स्थिर है। यात्रियों के अनुसार, रोजमर्रा की गतिविधियां और कामकाज सामान्य रूप से जारी हैं और किसी बड़े व्यवधान की स्थिति नहीं है। एक यात्री ने भारतीय मीडिया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर चल रही उन खबरों को गलत बताया, जिनमें दुबई के प्रमुख स्थलों पर हमले का दावा किया गया था। यात्री ने कहा कि बुर्ज खलीफा पर हमले या बड़े पैमाने पर नुकसान की खबरें पूरी तरह झूठी हैं और लोगों को ऐसी अफवाहों पर विश्वास नहीं करना चाहिए। एक अन्य यात्री ने लोगों से सोशल मीडिया पर फैल रही फर्जी खबरों से बचने और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि दुबई और अबू धाबी सरकार नियमित रूप से अपडेट जारी कर रही हैं और लोगों को उन्हीं पर भरोसा करना चाहिए। उनके मुताबिक घबराने की कोई जरूरत नहीं है और फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। अबू धाबी के यात्री टिंडू ने बताया कि वहां कुछ चिंताएं जरूर हैं, लेकिन सरकार सहयोग कर रही है और कामकाज सामान्य रूप से जारी है।

अब उत्तर कोरिया ने दागीं 10 बैलिस्टिक मिसाइलें... अमेरिका को ललकारा

पश्चिम एशिया में जंग का नया मोर्चा: जापान-साउथ कोरिया में अलर्ट

नई दिल्ली ■ एजेंसी

ईरान की जंग से सुलग रहे पश्चिम एशिया में अभी शांति आई भी नहीं है कि युद्ध का एक और मोर्चा खुलता दिख रहा है. उत्तर कोरिया ने अमेरिका और दक्षिण कोरिया को ललकारते हुए समंदर की ओर 10 बैलेस्टिक मिसाइल फायर किए हैं. समंदर के किनारे ही उत्तर कोरिया और जापान स्थित है. दक्षिण कोरियाई सेना ने पत्रकारों को दिए एक संदेश में बताया कि यह प्रोजेक्टाइल उत्तर कोरिया के पूर्वी तट से दूर समुद्र की ओर दागा गया. उन्होंने इसके बारे में और कोई जानकारी नहीं दी गई।

उत्तर कोरिया की ओर से यह कदम तब उठाया गया है जब उत्तर कोरिया के 18 हजार सैनिक अमेरिकी सैनिकों के साथ मिलकर युद्ध अभ्यास कर रहे हैं. उत्तर कोरिया के इस कदम को जंग भड़काने वाली कार्रवाई के तौर पर देखा जा रहा है। दक्षिण कोरिया ने कहा कि उसने निगरानी बढ़ा दी है और अमेरिका और जापान के साथ जानकारी बारीकी से शेयर कर रहा है, जबकि साउथ कोरिया और अमेरिका की इंटेलिजेंस एजेंसियां इन मिसाइलों की खासियत और उड़ान की रेंज का एनालिसिस कर रही हैं. चीफ्स ऑफ स्टाफ के अनुसार दक्षिण कोरिया की सेना पूरी तरह से तैयार है और अतिरिक्त लॉन्च के खिलाफ कड़ी निगरानी रखते हुए, अमेरिका और जापान के साथ उत्तर कोरियाई बैलिस्टिक मिसाइलों से जुड़ी जानकारी साझा कर रही है।

खबरों के मुताबिक ट्रंप ने उत्तर कोरिया के प्रधानमंत्री किम मिन-सियोक से कहा कि उनके किम के साथ अच्छे संबंध हैं, और उन्होंने पूछा कि क्या उत्तर कोरियाई नेता वॉशिंगटन के साथ बातचीत फिर से शुरू करने को तैयार हैं। जानकारों का कहना है कि यह लॉन्च दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच चल रहे संयुक्त सैन्य अभ्यास फ्रीडम शील्ड के विरोध में भी हो सकता है. ये बड़े पैमाने के अभ्यास 9 मार्च को शुरू हुए थे और 19 मार्च तक चलने वाले हैं। इस हफ्ते की शुरुआत में नॉर्थ कोरिया के नेता किम जोंग-उन की ताकतवर बहन किम यो-जोंग ने अमेरिका-उत्तर कोरिया के बीच चल रहे फोजी अभ्यासों की निंदा की और उत्तर कोरिया की सुरक्षा को नुकसान पहुंचने पर अकल्पनीय रूप से भयानक नतीजों की चेतावनी दी थी.

ऑपरेशन फ्रीडम शील्ड दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच होने वाला वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास है. यह रक्षा-उन्मुख ट्रेनिंग है, जो कोरियाई थिएटर ऑफ ऑपरेशंस को दर्शाता है. यह संयुक्त अभ्यास न सिर्फ जल थल और नभ में अंजाम दिया जाता है बल्कि इसका विस्तार साइबर और स्पेस डोमेन भी है। इसका उद्देश्य संयुक्त रक्षा क्षमता मजबूत करना, इंटरऑपरेबिलिटी बढ़ाना और उत्तर कोरिया जैसे खतरों के खिलाफ तैयार रहना है. अभी ऑपरेशन फ्रीडम शील्ड का मौजूदा सेशन चल रहा है। यांग के सरकारी मीडिया के अनुसार नॉर्थ कोरिया ने हाल ही में डिस्ट्रॉयर चो ह्योन से रणनीतिक क्रूज़ मिसाइलों का परीक्षण भी किया, जिसमें नॉर्थ कोरियाई नेता ने ताकतवर और भरोसेमंद परमाणु युद्ध निवारक को बनाए रखने और उसका विस्तार करने की जरूरत पर जोर दिया।

राज्य को दी 47,600 करोड़ की सौगात

कांग्रेस हार की सेंचुरी मारने वाली है..., असम में बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

बीजेपी असम विधानसभा चुनावों की तैयारी में जुट गई है. इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी असम दौरे पर हैं. यहां उन्होंने कई नई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया. सिलचर में जनता को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कांग्रेस पर भी जमकर निशाना साधा।

पीएम मोदी ने असम को 47,600 करोड़ से ज्यादा की विकास परियोजनाओं की सौगात देने पहुंचे. उन्होंने सिलचर में भूमि पूजन करते हुए लगभग 24 हजार करोड़ रुपये की कई परियोजनाओं की नींव रखी. इनमें नॉर्थ-ईस्ट के पहले ग्रीनफील्ड 4-लेन हाई-स्पीड शिलॉन्ग-सिलचर कॉरिडोर और %असम माला 3.0 परियोजना शामिल हैं। पीएम मोदी ने कहा- आज करीब 24 हजार करोड़ रुपए के शिलॉन्ग-सिलचर कॉरिडोर का भूमि पूजन हुआ है. कांग्रेस वालों को कागज-कलम देना और उनसे कहना कि जरा कागज 24 हजार करोड़ लिखो तो. उन्हें लिखना नहीं आएगा कि 24 हजार करोड़ में कितने जीरो होते हैं।

प्रधानमंत्री ने आगे कहा, कांग्रेस वालों के दिमाग का ताला जहां बंद हो जाता है, वहां हमारा काम शुरू होता है। पीएम मोदी ने कहा, %कांग्रेस खुद के इतिहास के हार की सेंचुरी मारने वाली है. हार की हताशा से भरी कांग्रेस ने देश के खिलाफ ही मोर्चा खोल दिया है. कांग्रेस के नेता देश को बदनाम करने में जुट गए हैं।

पीएम मोदी ने कहा, आज नॉर्थ ईस्ट, भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी का केंद्र है... दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ भारत को जोड़ने वाला सेतु बन रहा है. बराक वैली के किसानों और यहां के चाय-बागानों में काम करने वाले श्रमिकों का असम के विकास में बहुत बड़ा योगदान है. डबल इंजन सरकार किसानों के कल्याण के लिए निरंतर कदम उठा रही है।

उन्होंने कहा कि बीजेपी बॉर्डर के गांवों को देश के पहले गांव मानते हैं. इसलिए, बॉर्डर एरिया के विकास के लिए कछार जिले से ही वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम का अगला चरण शुरु किया था. इससे बराक वैली के अनेक गांवों में भी सुधार होना तय हो गया है.

पीएम मोदी असम में पीएम-किसान योजना की 22वीं किस्त भी जारी करेंगे जिसके तहत 9.3 करोड़ किसानों को लाभ मिलेगा. प्रधानमंत्री कोपिली जल विद्युत परियोजना और उत्तर-पूर्व गैस ग्रिड (चरण-1) का उद्घाटन भी करेंगे. रेलवे के क्षेत्र में तीन नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई जाएगी।

श्रीलंका 84 ईरानी नाविकों के शव ईरान भेजेगा, 32 बचाए गए नाविक फिलहाल नहीं लौटेंगे

कोलंबो ■ एजेंसी

श्रीलंका ने अमेरिकी हमले में मारे गए 84 ईरानी नाविकों के शव ईरान वापस भेजने की घोषणा की है। ये सभी नाविक 4 मार्च को अमेरिका की तरफ से ईरानी युद्धपोत आइरिस डेना पर हुए टॉरपीडो हमले में मारे गए थे। हमले के बाद राहत अभियान के दौरान श्रीलंकाई नौसेना द्वारा बचाए गए 32 ईरानी नाविक फिलहाल श्रीलंका में ही रहेंगे। शवों को ईरान द्वारा भेजे गए चार्टर्ड विमान से भेजे जाने की तैयारी पूरी कर ली गई है।

श्रीलंका के समाचार पत्र डेली मिरर के मुताबिक श्रीलंका के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह उन 84 ईरानी नाविकों के शव ईरान वापस भेज रहा है, जिनकी मौत नौ दिन पहले एक हमले में हो गई थी। यह हमला तब हुआ जब ईरान का युद्धपोत आइरिस डेना श्रीलंका के तट के पास अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में यात्रा कर रहा था और उस पर अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा टॉरपीडो दागे जाने से वह डूब गया था।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता थुशारा रोड्रिगो ने बताया कि शवों को ईरान द्वारा भेजे गए चार्टर्ड कार्गो विमान से ले जाया जाएगा। इस प्रक्रिया से जुड़ी सभी घरेलू औपचारिकताएँ पूरी कर ली गई हैं।

हमले के तत्काल बाद श्रीलंकाई नौसेना ने 32 ईरानी नाविकों को बचा लिया था, जिन्हें फिलहाल श्रीलंका में ही रखा गया है। घायल नाविकों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जिनमें से 22 को अब छुट्टी दे दी गई है। उन्हें द्वीप के दक्षिणी हिस्से में स्थित एक वायुसेना अड्डे पर रखा गया है।

घटना गत 4 मार्च की है, जब ईरानी फ्रिगेट आइरिस डेना पर श्रीलंका के तट के पास टॉरपीडो से हमला हुआ। इस घटना की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी निंदा हुई थी क्योंकि इससे पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष हिंद महासागर क्षेत्र तक फैलने का डर बन गया था। हमले के एक दिन बाद एक अन्य ईरानी युद्धपोत आइरिस बुशहर को श्रीलंका के जलक्षेत्र में प्रवेश की अनुमति दी गई। श्रीलंका इस जहाज और उसके 219 चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित आश्रय दे रहा है।

संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा आरंभ बांग्लादेश सरकार से की हिंदुओं के संरक्षण की मांग

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा का आज हरियाणा के समालखा में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाहक दत्तात्रेय होसबाले ने दीप प्रज्वलन कर विधिवत उद्घाटन किया। इस दौरान सरकार्यवाह की ओर से वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। संघ ने बांग्लादेश सरकार से एक बार फिर आग्रह किया कि वह अपने यहां हिंदुओं के अधिकारों का संरक्षण करे।

शुरुआती सत्रों में दिवंगत हस्तियों को श्रद्धांजलि दी गई तथा नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सरकार के प्रयासों से आए सुधार और मणिपुर में संघ के प्रयासों से आए परिणाम का स्वागत किया गया। इसके अलावा बांग्लादेश सरकार से एक बार फिर आग्रह किया गया कि हिंदुओं के अधिकारों का वहां संरक्षण होना चाहिए।

प्रतिनिधि सभा के प्रारंभ के बाद यहां सह सरकार्यवाह सी आर मुकुंद ने अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर के साथ पत्रकार वार्ता को संबोधित किया।

INDIAN AIR FORCE

AIR FORCE SPORTS CONTROL BOARD

RECRUITMENT OF OUTSTANDING SPORTSMEN

APPLICATIONS ARE INVITED FROM OUTSTANDING UNMARRIED MALE SPORTSMEN TO JOIN INDIAN AIR FORCE AS AGNIVEERVAYU (SPORTS) INTAKE 02.2026

DETAILED ADVERTISEMENT AVAILABLE ON HTTPS://AGNIPATHVAYU. CDAC.IN

ONLINE APPLICATIONS ARE TO BE SUBMITTED FROM 1000 Hr ON 23 MARCH 2026 TO 1700 Hr ON 29 MARCH 2026

AT HTTPS://AGNIPATHVAYU. CDAC. IN/CASBSPM

TENTATIVE DATES FOR SELECTION TRIALS AT NEW DELHI FROM 08 APRIL TO 10 APRIL 2026

cbc 10803/11/0032/2526

लखनऊ में दूसरे चरण के ग्रीन कॉरिडोर के लोकार्पण व अगले चरणों के शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा

आपरेशन सिंदूर से पाक को ऐसा सबक सिखाया कि भारत पर हमले की सोच भी नहीं सकता

लखनऊ ■ एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस मिसाइल से पाकिस्तान को ऐसा जवाब दिया गया कि वह फिर कभी उबर भी नहीं पाएगा। भारत की सेना पूरी तरह से सतर्क और देश की सीमाओं की रक्षा के लिए हर समय तैयार रहती है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को लखनऊ में दूसरे चरण के ग्रीन कॉरिडोर का लोकार्पण और तीसरे व चौथे चरण के शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। गोमती नदी के तट पर झूलेलाल पार्क में आयोजित कार्यक्रम में लखनऊ के सांसद और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि लखनऊ का तेजी से विकास हो रहा है और डिफेंस सेक्टर में भी लखनऊ पीछे नहीं है। यहां ब्रह्मोस मिसाइल, एयरो स्पेस से संबंधित काम भी हो रहा है और यह शहर देश की सुरक्षा व्यवस्था से गहराई से जुड़ा हुआ है।

पाकिस्तान के खिलाफ आपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि ब्रह्मोस मिसाइल से पाकिस्तानी आतंकवादियों को ऐसा मुंहतोड़ जवाब दिया गया कि वे दोबारा ऐसी हरकत करने की सोच भी नहीं सकते हैं। अगर सोचा तो वे इस बार के हमले से कभी उबर भी नहीं पायेंगे। उन्होंने कहा कि भारत के खिलाफ साजिश रचने वाले हर मंसूबे को करारा जवाब दिया जाएगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि लोग मुख्यमंत्री योगी को बुलडोजर बाबा के नाम से जानते हैं। इन्होंने माफियाओं को सही कर दिया, लेकिन बुलडोजर सिर्फ तोड़ने का ही नहीं बल्कि विकास की नयी जमीन भी तैयार करता है। उन्होंने घोषणा की कि आने वाले कुछ ही दिनों में लखनऊ से कानपुर की यात्रा महज 35 से 45 मिनट में पूरी हो सकेगी। उत्तर प्रदेश में बढ़ रहे निवेश का जिक्र करते हुए कहा कि मुझे नहीं लगा था कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सिंगापुर और जापान की यात्रा पर जा सकेंगे। मुझे लगा था कहीं यह यात्रा स्थगित ना हो जाए मगर वह यात्रा पर गए और वहीं वेशभूषा पहन कर गए और वही खान-पान रखा और जिसका परिणाम है कि उत्तर प्रदेश में जबरदस्त निवेश आया है। समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रशासन की जिस जमीन पर अतिक्रमण किया गया था, उसी जमीन से कब्जा हटाकर उसी पैसे का प्रोजेक्ट बनाया गया और इसमें शासन ने प्राधिकरण को पैसा नहीं दिया है।

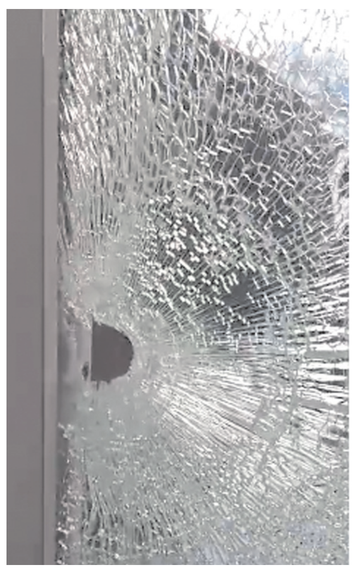

भोपाल के हमीदिया अस्पताल में गोलीबारी, घायल युवक का पीछा करते पहुंचे बदमाशों ने की फायरिंग

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल के हमीदिया अस्पताल में आज आज शनिवार को गोलीबारी की घटना हुई है। जहां इमरजेंसी विभाग में भर्ती घायल युवक का पीछा करते पहुंचे बदमाशों ने फायरिंग की है। जिसके बाद विभाग में अफरा तफरी मच गई है।

जानकारी के अनुसार लालू रईस के बेटे इमरान के पैर में गोली लगी थी। एक दिन पहले उसे घर पर बदमाशों ने 10 राउंड फायर किया था। जिसके बाद उसे हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। लेकिन बदमाश उसक पीछा करते हुए अस्पताल पहुंच गए। यहां इमरजेंसी विभाग में फायरिक की। जिससे वार्ड का कांच टूट गया। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया है।

अशोका गार्डन में लल्लू रईस के घर फायरिंग: शहर के कुख्यात बदमाश लल्लू रईस के घर पर बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। घटना में लल्लू के बेटे इमरान को गोली लगने की जानकारी सामने आई है। हमलावरों ने घर के बाहर पहुंचकर करीब 8 से 10 राउंड फायर किए, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। गोली लगने से घायल इमरान को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। फायरिंग की इस घटना में शादाब गेट, शाबर मौलाना, गुड्डू स्टेशन और अल्लू परवेज पर गोली चलाने के आरोप लगे हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और पूरे इलाके में नाकाबंदी कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि घटना के पीछे पुरानी रंजिश की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

एमपी में हीट स्ट्रोक का खतरा; नर्मदापुरम सबसे गर्म, लू के बीच ओले-बारिश का अलर्ट

मार्च में ही रिकॉर्ड तोड़ रही गर्मी

भोपाल में पारा 37.8 डिग्री तक जा पहुंचा पारा

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश में मार्च के दूसरे सप्ताह में भीषण गर्मी पड़ रही है। नर्मदापुरम में तापमान 40.1 डिग्री पहुंच गया है और लू चल रही है। मौसम विभाग ने 15-17 मार्च को कई जिलों में बारिश और गरज-चमक की संभावना जताई है।

मध्यप्रदेश में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। मार्च में ही मई जैसी भीषण गर्मी पड़ रही है। एक तरफ नर्मदापुरम तीव्र लू की चपेट में है और पारा 40 डिग्री के पार निकल गया है, वहीं दूसरी तरफ मौसम विभाग ने बारिश की चेतावनी जारी कर दी है। आज 14 मार्च से सक्रिय हो रहे पश्चिमी विक्षोभ के कारण प्रदेश के कई हिस्सों में अगले तीन दिनों तक बादल बरस सकते हैं। ग्वालियर-चंबल, जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग के जिलों में बारिश और गरज-चमक की संभावना है। गर्मी के बढ़ते असर को देखते हुए डॉक्टरों ने 'हीट स्ट्रोक' से बचने की सलाह दी है।

नर्मदापुरम में 'आग' उगल रहा सूरज: मध्यप्रदेश के नर्मदापुरम जिले में गर्मी ने पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। यहाँ शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन तीव्र लू चली और तापमान 40.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। प्रदेश के लगभग सभी बड़े शहरों में पारा 35 डिग्री के ऊपर बना हुआ है। राजधानी भोपाल में पारा 37.8 डिग्री तक जा पहुँचा है, जिससे दोपहर के समय सड़कें सूनी नजर आने लगी हैं। तेज गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया है।

क्यों बढ़ रही है इतनी गर्मी?

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, वर्तमान में हवाओं की दिशा बदलकर पश्चिम और उत्तर-पश्चिम हो गई है। ये हवाएँ राजस्थान के रेगिस्तानी इलाकों से आ रही हैं, जिनमें नमी बिल्कुल नहीं है। शुष्क और गर्म हवाओं के कारण मार्च के महीने में ही मई जैसी तपिश महसूस हो रही है।

एमपी में पारा 40.1°C के पार

मध्यप्रदेश में नर्मदापुरम प्रदेश का सबसे गर्म बना हुआ है, जहाँ पारा 40.1 डिग्री तक जा पहुँचा है। आलम यह है कि हिल स्टेशन पचमढ़ी को छोड़ दिया जाए, तो प्रदेश के लगभग सभी शहरों में तापमान 35 डिग्री के पार निकल गया है। बड़े शहरों की बात करें तो राजधानी भोपाल सबसे ज्यादा तप रही है, जहाँ पारा 37.8 डिग्री दर्ज किया गया। इसके ठीक पीछे इंदौर, जबलपुर और उज्जैन जैसे शहरों में भी गर्मी के तेवर लगभग एक जैसे ही हैं और यहाँ तापमान 37 डिग्री के आसपास बना हुआ है, जबकि ग्वालियर में यह 36.1 डिग्री रहा। नर्मदापुरम के अलावा अन्य जिलों में भी सूरज के तीखे तेवर देखने को मिल रहे हैं। रतलाम और मंडला में पारा 39 डिग्री को छू रहा है, तो वहीं धार, खजुराहो, दमोह और खरगोन में भी झुलसाने वाली गर्मी पड़ रही है। इसी तरह सागर, टीकमगढ़ और सिवनी जैसे शहरों में भी तापमान 38 डिग्री तक पहुँच जाने से लोगों को दोपहर में भारी उमस और तपन का सामना करना पड़ रहा है।

3 दिन बारिश और गरज-चमक का अलर्ट

भीषण गर्मी के बीच राहत की खबर यह है कि एक नया सिस्टम (वेस्टर्न डिस्टरबेंस) सक्रिय हो रहा है। इसके प्रभाव से 15, 16 और 17 मार्च को प्रदेश के उत्तरी और पूर्वी हिस्सों में मौसम बदलेगा।

- **15 मार्च:** ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना और अनूपपुर सहित कई जिलों में बारिश हो सकती है।
- **16 मार्च:** रीवा, सीधी, सिंगरौली, शहडोल और छिंदवाड़ा में गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है।
- **17 मार्च:** अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला और बालाघाट में मौसम का असर बना रहेगा।

हीट स्ट्रोक से बचाव की एडवायजरी

तापमान में अचानक हुई बढ़ोतरी को देखते हुए मौसम विभाग ने स्वास्थ्य संबंधी चेतावनी जारी की है।

- दोपहर में बिना काम के घर से बाहर न निकलें।
- ज्यादा से ज्यादा पानी और तरल पदार्थों का सेवन करें।
- घर के अंदर तापमान कम रखने के लिए ओवन या गर्म करने वाले उपकरणों का कम प्रयोग करें।

मध्यप्रदेश में पुलिस अफसरों के तबादले जल्द...!!!

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश में आईपीएस अफसरों के तबादला सूची तैयार है और कभी भी ये ऐलान हो सकता है। सूची त्यौहारी सीजन के कारण अटकी थी लेकिन अब कभी भी घोषणा हो सकती है। त्यौहारी सीजन के कारण गृह विभाग की तरफ से इस सूची को होल्ड पर रखी थी। तबादला सूची में सबसे ज्यादा फायदा 2020 बैच के पांच आईपीएस अफसरों को होगा, जिन्हें जिलों में एसपी पद की कमान सौंपी जाएगी। क्योंकि अब तक 2019 बैच के आईपीएस भी जिलों में एसपी पद पर आ चुके हैं। इसके अलावा कोर्ट के आदेश से प्रमोटी आईपीएस बने अधिकारी भी जिले के एसपी बन सकते हैं।

हट सकते हैं इन जिलों के एसपी: इस प्रस्तावित सूची के अनुसार लगभग 20 जिलों में नए एसपी की पदस्थापना होगी। शाजापुर के एसपी यशपाल सिंह राजपूत, शिवपुरी के पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौर, डिंडौरी एसपी वाहिनी सिंह, मंडला एसपी रजत सकलेचा, छतरपुर एसपी अगम जैन, बुरहानपुर एसपी देवेंद्र कुमार पाटीदार, निवाड़ी एसपी राय सिंह नरवरिया, नीमच एसपी अंकित जायसवाल, दमोह एसपी श्रुतकीर्ति सोमवंशी, सिवनी एसपी सुनील कुमार मेहता, आगर मालवा एसपी विनोद कुमार सिंह, ग्वालियर एसपी धर्मवीर सिंह, उज्जैन एसपी प्रदीप शर्मा और जबलपुर एसपी संपत उपाध्याय को भी बदला जा सकता है।

इनमें से छोटे जिलों के एसपी को बड़े जिलों की कमान सौंपी जा सकती है। इसके अलावा खंडवा एसपी मनोज राय, एसपी रेल भोपाल राहुल लोढा, एसपी रेल जबलपुर सिमाला प्रसाद, एसपी भिंड असित यादव, और एसपी धार मयंक अवस्थी डीआईजी बन चुके हैं, लिहाजा उन्हें भी बदला जाना प्रस्तावित है।

इसके अलावा रीवा एसपी शैलेंद्र सिंह चौहान, डीसीपी भोपाल विवेक सिंह, डीसीपी इंदौर कुमार प्रतीक और एसपी झाबुआ डॉ शिवदयाल भी इस साल एक जनवरी को डीआईजी बन चुके हैं और इन्हें भी नई पोस्टिंग मिलना तय है, ऐसे में इन जिलों में नए एसपी की तैनाती होगी।

भोपाल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स का होली मिलन एवं शपथ ग्रहण समारोह आज मानस भवन में

भोपाल। भोपाल व्यापारियों की प्रतिष्ठित शीर्ष संस्था चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंड्रस्ट्रीज का होली मिलन एवं शपथ ग्रहण समारोह आज मानस भवन श्यामला हिल्स में साय 7 बजे होने जा रहा हे अध्यक्ष गोविंद गोयल ने बताया इस अवसर पर फूलों की होली ओर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है इस अवसर पर जन प्रतिनिधि के साथ राजधानी के सामाजिक व्यापारिक राजनीतिक गण्यमान नागरिकों को आमंत्रित किया गया है।

वैभव सिसिन्टी के की-नोट सेशन के साथ नवोन्मेष 2026 की प्रतियोगिताओं का आगाज

ग्लोबल विवि: इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का समापन

देशों के एआई विशेषज्ञों ने साझा किए विचार

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्य भारत के पहले कौशल विश्वविद्यालय स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी, भोपाल में आयोजित दो दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (आईसीएआई) का गुरुवार को समापन हुआ। इसी अवसर पर एआई एक्सपर्ट वैभव सिसिन्टी के 'How to Win in the AI Race' विषय पर आयोजित की-नोट सेशन के साथ नवोन्मेष 2026 की प्रतियोगिताओं का औपचारिक शुभारंभ भी हुआ।

समापन सत्र के मुख्य अतिथियों में डॉ. आर. पी. दुबे, कुलपति, रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, प्रो. अमिताभ सक्सेना, कार्यकारी निदेशक, आईटीडीपीआर, डॉ. एस. के. जैन, कुलपति, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, चांसलर, स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय तथा डॉ. विजय सिंह कुलपति, स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर अपने संबोधन में प्रो. अमिताभ सक्सेना ने तकनीक के विकास की यात्रा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्रारंभिक दौर में कंप्यूटर सी-प्रॉम्प्ट, वर्डस्टार और बूटिंग प्रक्रिया के माध्यम से संचालित होते थे। समय के साथ ग्राफिकल यूज़र इंटरफेस और इंटरनेट के आगमन ने तकनीकी दुनिया को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि आज के समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा विश्लेषण और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से ज्ञान और अनुसंधान के नए आयाम विकसित हो रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान डॉ. एस. के. जैन ने कहा कि वर्तमान समय में गहन अधिगम और बहुविषयक शिक्षण की आवश्यकता बढ़ गई है। एआई के माध्यम से शिक्षण-अधिगम की प्रक्रियाएँ अधिक प्रभावी और व्यापक बनाई जा सकती हैं।

पीआईबी आंध्रप्रदेश के प्रतिनिधिमंडल द्वारा मानव संग्रहालय का भ्रमण किया

भोपाल ■ अमृत दर्शन

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में पीआईबी आंध्रप्रदेश के 14 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने आज संग्रहालय का भ्रमण किया। इस अवसर पर दल के सदस्यों ने संग्रहालय परिसर में स्थापित विभिन्न मुक्ताकाश प्रदर्शनों, जनजातीय आवासों एवं सांस्कृतिक दीर्घाओं का अवलोकन करते हुए भारत की विविध लोक एवं जनजातीय संस्कृतियों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

भ्रमण के दौरान संग्रहालय अधिकारी डॉ मो रेहान द्वारा प्रतिनिधिमंडल को संग्रहालय की स्थापना, उद्देश्य तथा यहाँ प्रदर्शित विभिन्न सांस्कृतिक रूपों के बारे में विस्तार से बताया गया। संग्रहालय में प्रदर्शित देश के विभिन्न राज्यों की जनजातीय एवं पारंपरिक जीवन शैली, लोक कला, हस्तशिल्प तथा सांस्कृतिक विरासत को देखकर दल के सदस्य काफी प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि यह संग्रहालय भारत की बहुरंगी सांस्कृतिक परंपराओं को समझने का एक महत्वपूर्ण केंद्र है, जहाँ विभिन्न समुदायों के जीवन और संस्कृति का जीवंत स्वरूप देखने को मिलता है।

इस प्रतिनिधिमंडल में एन. मुरली – आंध्र ज्योति, वी.आर.सी. फणिहरन – द हंस इंडिया, बी. गणेश – साक्षी, एस. सत्यनारायण शर्मा – विशालांध्र, ए. संदीप कुमार रेड्डी – रायलसीमा समयम्, एम. संबासिवा राव – द हिंदू, शंकरलिंगम मुनी राजू – इनाडु, एम. पी. रवि शंकर – डीडीके न्यूज़, टी.वी.वी.एस. रमेश – स्काईलाइन, सी.एच. सत्यम – मुंसिफ टीवी, आर. रमेश चंद्र (ए.डी.) – संचालन अधिकारी, के. शिवा रेड्डी (सीजी-II) – सहायक संचालन अधिकारी अन्य चैनल के कुल 14 सदस्य शामिल थे।

इस अवसर पर संग्रहालय के अधिकारी मो. रेहान एवं डॉ मोहन गोयल द्वारा प्रतिनिधिमंडल को संग्रहालय के विभिन्न प्रदर्शनों एवं उनकी विशेषताओं से अवगत कराते हुए परिसर का भ्रमण कराया गया।

भोपाल में ट्यूबवेल बोरिंग पर रोक

अब बोरिंग से पहले लेनी होगी एसडीएम की परमिशन

भोपाल ■ अमृत दर्शन

नहीं तो होगी एफआईआर

राजधानी भोपाल में गर्मी की दस्तक के साथ ही जल संकट गहराने लगा है। भू-जल स्तर में लगातार हो रही गिरावट को गंभीरता से लेते हुए जिला कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। इसके तहत संपूर्ण भोपाल जिले को 'जल अभावग्रस्त' क्षेत्र घोषित कर दिया गया है और निजी नलकूप खनन पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया गया है। अब पानी की एक-एक बूंद को बचाने के लिए प्रशासन ने बोरिंग मशीनों की आवाजाही पर भी कड़ा पहरा लगा दिया है। बिना अनुमति जिले में प्रवेश करने वाली बोरिंग मशीनों को पुलिस जब्त करेगी और स्नङ्घक्र दर्ज होगी। भोपाल के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में जमीन के अंदर का पानी तेजी से कम हो रहा है।

बिना अनुमति बोरिंग करना पड़ेगा भारी

नए आदेश के अनुसार, अब कोई भी नागरिक अपनी निजी जमीन पर बिना पूर्व अनुमति के नलकूप या बोरिंग नहीं करा सकेगा। यदि किसी को बोरिंग कराना बहुत आवश्यक है, तो उसे संबंधित क्षेत्र के अनुविभागीय अधिकारी (स्ठरू) से लिखित अनुमति लेनी होगी। प्रशासन केवल अपरिहार्य परिस्थितियों और उचित जांच के बाद ही खनन की अनुमति देगा।

संशय का समाधान करती है रामकथा : प्रतीकेश्वर महाराज

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राजधानी के न्यू मार्केट में स्थित खेड़ापति हनुमान मंदिर पर दिनांक 12 से 14 मार्च तक श्री राम कथा का आयोजन रामभक्त दीप अग्रवाल ,हेमंत ठाकुर एवं श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर समिति द्वारा किया जा रहा है। रामकथा के दूसरे दिन श्री राम दरबार की पूजा अर्चना के साथ तुलसी पूजन आदि करते हुए कथा का शुभारंभ हुआ ।आयोजन समिति ने कथा व्यास पं प्रतीकेश्वर महाराज का स्वागत सम्मान किया और उनका आशीर्वाद लिया । इसके उपरांत कथा व्यास पंडित प्रतीकेश्वर महाराज ने श्री राम कथा के माध्यम से कहा कि –जीवन के हर संशय का समाधान श्री राम कथा करती है ।संशय के समाधान के लिए ही कथा की जाती है। लेकिन हमेशा आधा ज्ञान बहुत खतरनाक होता है ,अगर मन में कोई संकोच है ,संशय है तो हमें तुरंत सवाल करना चाहिए ।उस संशय को लेकर यहां वहां नहीं भटकना चाहिए ।आज के समय में समझाने वाले बहुत मिल जाएंगे ,लेकिन समझने वालों की कमी है ।भगवान शिव भी माता सती को नहीं समझ पाए ।इसलिए किसी को समझाने में अपनी ऊर्जा खर्च न करें । आप खुद समझदार बने तो संशयों पर पार पा सकते हैं। श्री राम कथा के दौरान तमाम गणमान्य नागरिकों जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ हजारों की संख्या में राम भक्त मौजूद रहे।

चाकू की नोक पर व्यापारी के 55 लाख कैश ले उड़े थे लुटेरे

लूटकांड का पर्दाफाश, आरोपी मुंबई से अरेस्ट

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में रंगपंचमी की रात हुई सनसनीखेज लूट का गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। स्मार्ट सिटी रोड पर दो व्यापारी भाइयों के साथ चाकू की नोक पर 55 लाख रुपए लूटने वाले बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। भोपाल पुलिस की एक विशेष टीम ने आरोपियों का पीछा करते हुए ने मुख्य आरोपी शान और हैदर को मुंबई से पकड़ा है। अब पुलिस जल्दी ही इस लूटकांड को लेकर बड़ा खुलासा कर सकती है।

राजधानी के श्यामला हिल्स थाना क्षेत्र में हुई 55 लाख रुपये की लूट ने पूरे शहर को दहला दिया था। अब इस मामले में भोपाल पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए मुख्य आरोपी शान और हैदर को मुंबई से गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी पहचान छुपाने के लिए सीधे मुंबई भाग गए थे, लेकिन तकनीकी सर्विलांस और मुखबिरों की सूचना पर पुलिस उन तक गई।

रंगपंचमी की रात हुई थी वारदात

घटना रंगपंचमी की रात की है, जब स्मार्ट सिटी रोड पर सन्नाटे का फायदा उठाकर 6 बदमाशों ने दो व्यापारी भाइयों को घेरा। बदमाशों ने चाकू की नोक पर व्यापारियों को डराया और रुपयों से भरा बैग छीनकर फरार हो गए। बैग में 55 लाख कैश था, जिसे व्यापारियों ने प्रॉपर्टी खरीदने के लिए जुटाया था।

पुलिस ने खंगाले सीसीटीवी फुटेज

वारदात के बाद पुलिस ने श्यामला हिल्स और स्मार्ट सिटी रोड के दर्जनों सीसीटीवी फुटेज खंगाले। संदिग्धों की पहचान शान और हैदर के रूप में हुई, जो भोपाल के ही रहने वाले हैं। जब पुलिस ने उनकी लोकेशन ट्रैक की, तो वे मुंबई में पाए गए। तत्काल एक टीम मुंबई रवाना की गई और स्थानीय पुलिस की मदद से दोनों को दबोच लिया गया।

बदमाशों का गिरोह, 2 गिरफ्तार

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इस लूटकांड में कुल 6 बदमाश शामिल थे। शान और हैदर मुख्य आरोपी बताए जा रहे हैं, जिन्होंने पूरी प्लानिंग की थी। बाकी 4 साथियों की तलाश में पुलिस जगह-जगह दबिश दे रही है। सूत्रों के अनुसार, पुलिस कल शनिवार इस पूरे मामले का खुलासा प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए कर सकती है, जिसमें लूट की रकम की बरामदगी और कार्रवाई के बारे में जानकारी दी जाएगी।

भोपाल में पुलिस का मोबाइल हैक, साइबर चोरों ने दिखाया डिजिटल दम!

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल के गांधीनगर थाना में पदस्थ पुलिसकर्मी कृष्ण कटारिया का व्हाट्सएप अकाउंट हैक हो गया और शहर में चर्चा शुरू हो गई अब जब पुलिस का ही मोबाइल हैक हो रहा है तो आम जनता किस खेत की मूली है बताया जा रहा है कि कटारिया जी के नंबर से अजीब-अजीब लिंक घूम रहे हैं। लोग भी मजाक में कह रहे हैं कि पहले पुलिस चोर पकड़ती थी, अब चोर मोबाइल पकड़ कर पुलिस को ही परेशान कर रहे हैं। फिलहाल सभी लोगों से अपील है कि उनके नंबर से आने वाली किसी भी लिंक पर क्लिक न करें, वरना साइबर चोर आपका मोबाइल भी ऐसे गायब कर देंगे जैसे जेब से बटुआ।

प्रकाशक ,मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा सुख सागर,6 पत्रकार नगर, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21- एच. इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.) से मुद्रित। फोनः 4240007 फैक्स 0755-4296195 , आर.एन.आई नं. 50259/90 डाक पंजीयन नं. म.प्र./भोपाल/86/24-26 न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा।प्रधान संपादकः डी.पी.गोयल ।मोबाईल नं. 9827054436 ।